अङ्कुर पु०न० बीजसे जो प्रथम उत्पन्न होता है।
अङ्कुश पु०न० हाथी को चलाने का साधन। अंकुस। आंकुश।
अङ्गमर्द पु० देहकी पीड़ा।
अङ्गज न० पुत्र, रुधिर पसीना जो देहसे हो
अङ्गन न० आंगन। चौक।
अङ्गद पु० न० बाहु भूषण, बालि का पुत्र।
अङ्गना स्त्री० सौभाग्य औरत।
अङ्गारिका स्त्री० अंगीठी।
अङ्गिका स्त्री० अंगिया।
अङ्गीकार पु० स्वीकृत मंजूर।
अङ्गीकृत त्रि० स्वीकार कियागया
अङ्गुरीय न० अंगूठी। मुन्दरी।
अङ्गुल न० आठ जौ का माप
अङ्गुलित्र न० अङ्गुलियों की रक्षा करने वाला दस्ताना।
अङ्गुष्ठ पु० अंगूठा
अङ्गुष्ठमात्र त्रि० अंगूठा भर।
अङ्हस् न० पाप, गुनाह।
अचक्र त्रि० पहिये बिना, व्यापार रहित।
अचर न० ठहरा हुआ, पृथ्वी आदि
अचल न० न चलनेवाला, पृथ्वी आदि।

अचिन्त्य न० जिसका विचार न होसके।
अचिर न० कुछ समय रहने वाला
अचिरद्युति स्त्री० विद्युत् बिजली।
अचिरप्रभा स्त्री० बिजली।
अचेतन त्रि० ज्ञान न होना। जड़।
अचैतन्य त्रि० ज्ञान शून्य, चेतनता रहित।
अच्छ त्रि० सुन्दर, स्वच्छ, साफ।
अच्छोटन न० मृगया, शिकार, अहेर
अच्युत पु० न गिराहुआ, विष्णु।
अज पु० जो पैदा नहीं, जीव ईश्वर प्रकृति।
अजगव पु० न० शिवका धनुष।
अजक्षीर न० बकरीका दूध।
अजगर पु० बड़ा सांप।
अजघन्य त्रि० अच्छा, श्रेष्ठ
अजाजीविक पु० जिसका जीवन बकरा बकरी द्वारा चले।
अजथ्या स्त्री० बकरोंका समूह
अजन्त पु० जिसके अन्तमें स्वरहो
अजमीढ पु० अजमेर नगर
अजमोदा स्त्री० अजवायन
अजन्म पु० जन्मरहित।
अजस्र न० निरन्तर। हरवक्त

अजाजी स्त्री० जीरा
अजानि पु० स्त्रीरहित। बिना औरत-
वाला।
अजिह्म पु० जो कुटिल नहो। सीधा
अजीर्ण न० अपच । बदहजमी
अजीव त्रि० बिना जीव । मुर्दा
अजेय त्रि० जिसे जीता न जासके
अज्ञ त्रि० मूर्ख । ज्ञानशून्य
अज्ञान न० मूर्खता। बेवकूफी। अविद्या
अञ्चल पु० कपड़े का कोना। पल्ला
अञ्जन न० कज्जल, काजल, सुरमा
अञ्जलि पु० लप फैलाकर दोनों हाथ
जुड़े हुए।
अटवि-वी स्त्री० वन। जङ्गल [घूमना
अटाट्या स्त्री० निरर्थक घूमना। बेफायदा
अट्टहास पु० बल पूर्वक हंसना।
जोर से हंसना।
अट्टाल पु० मकानके ऊपर का
मकान।
अट्टालिका स्त्री० राजमहल। प्रासाद
अणु त्रि० बहुत छोटा, ज़र्रा।
अणुमा स्त्री० बिजुली।
अण्डज पु० अंडेसे निकलाहुआ,
पक्षी।
अण्डालु पु० मत्स्य । मछली।

अतएव अ० इसलिये । एतदर्थ।
अतथा अ० वैसा नहीं।
अतथ्य त्रि० मिथ्या । झूंठ
अति अ० बहुत, प्रशंसा
अतिक्रम पु० लांघजाना। नियम
को भूल जाना।
अतिक्रान्त त्रि० लांघगया। अपनेक
को भूलगया।
अतिक्रुद्ध त्रि० बहुत गुस्से में
आगया बड़ा क्रोधी।
अतिजव त्रि० शीघ्रगन्ता । जल्द
चलने वाला।
अतिजागार पु० निद्रा रहित
जिसको नींद न हो।
अतितराम् अ० बहुतही। जियादा त
अतिथि पु० जिसके आने जानेकी
तिथि नियत न हो। मुसाफिर
संन्यासी।
अतिपतन न० नाश । बरबादी।
अतिपातक न० बड़ापाप । बड़ा
गुनाह।
अतिबल त्रि० बहुत बली । बहुत
जोरावर
अतिरिक्त त्रि० अलावा, सिवाय
अतिरूक्ष त्रि० बहुत रूखा। स्नेह
शून्य।

अतिविकट पु॰ बहुत बड़ा । बड़ा भयानक ।
अतिशय पु॰ अधिक । बहुत ।
अतीत त्रि॰ भूतकाल
अतीन्द्रिय त्रि॰ जो इन्द्रियों से न जाना जाय ।
अतीव अ॰ अतिशय । बहुत ।
अतुल त्रि॰ उपमारहित बे मिसाल
अत्यन्त अ॰ बहुत ही । अतिशय
अत्यन्तकोपन त्रि॰ जिसका स्वभाव ही क्रोधी हो ।
… पु॰ किसी वस्तु का सर्वथा । न होना ।
अत्यल्प त्रि॰ बहुत थोड़ा बहुत छोटा ।
अत्याचार पु॰ अनुचित कर्म, ज्यादती ।
अत्युक्ति स्त्री॰ बढ़ाकर कहना। जिस में जो गुण न हो उनको बताना
अथ अ॰ अनन्तर, बाद, अब, मङ्गल, पक्षान्तर ।
अथकिम् अ॰ स्वीकार, मंजूर, हां
अथवा अ॰ वा, या ।
अदर्शन त्रि॰ जो देखने में न आसके
अदाह्य त्रि॰ जो जल न सके ।
अदीन त्रि॰ जो कायर न हो ।
अदृष्ट त्रि॰ जो देखा न गया हो ।
अदृष्टपूर्व त्रि॰ जो पूर्व न देखा हो
अद्भुत न॰ विचित्र । जो भयानक होजाय ।
अद्य अ॰ आज । वर्तमान दिन ।
अद्यतन त्रि॰ आजका काम । आज की वस्तु ।
अद्यत्वे अ॰ अब, इस समय ।
अद्रितनया स्त्री॰ पार्वती ।
अद्रीश पु॰ हिमालय । पर्वतस्वामी
अद्वितीय त्रि॰ जिसके सदृश और न हो । ईश्वर
अद्वैत त्रि॰ जो दो नहीं परमात्म.
अधम त्रि॰ कुत्सित पामर-नीच,
अधमर्ण त्रि॰ ऋणी कर्जा लेनेवाला
अधर पु॰ होठ । नीचे का होट
अधरेद्युस् अ॰ आने वाला परसों ।
अधर्म पु॰ वेद विरुद्ध कार्य । पाप
अधस् अ॰ नीचे, तैल
अधस्तात् अ॰ नीचे-तैल निम्नस्थ
अधिक त्रि॰ बहुत, जियादा, अनेक
अधिकरण न॰ सप्तमी विभक्ति, ठहरना
अधिकार पु॰ स्वा[illegible]सत्व हक़

अधिकृत पु० आयव्यय निरीक्षक। मालिक, जिसको किसी कर्म का अधिकार दियागया हो।

अधिक्षेप पु० तिरस्कार, अपमान, तौहीन।

अधिगत पु० जाना गया, पायागया

अधिगम पु० जानना, पाना, मानना

अधित्यका स्त्री० पर्वत के ऊपर की भूमि।

अधिप त्रि० राजा, प्रभु, स्वामी, मालिक।

अधिपति पु० प्रभु, स्वामी मालिक

अधिमास पु० लौंदका महीना, मलमास।

अधिराज पु० सार्वभौम चक्रवर्ती राजों का राजा

अधिरोहिणी स्त्री० सीढ़ी, नसैनी

अधिवास पु० निवास।

अधीत त्रि० पढ़ा हुआ। पढ़ना।

अधीन त्रि० आयत्त काबूमें आगया स्वाधीन।

अधीर त्रि० व्यग्र, चञ्चल, अपने को वशमें न रखना।

अधीश त्रि० सार्वभौम, चक्रवर्ती, शहनशाह।

अधीश्वर त्रि० चक्रवर्ती। स्त्री० अधीश्वरी।

अधुना अ० इस समय। अब

अधृष्ट त्रि० लज्जाशील लाजवाला

अधोंऽशुक न० लहँगा। नीचे पहरने का वस्त्र

अधोमुख त्रि० जिस का नीचे को मुख हो

अधोलोक पु० भूमिके नीचे, पाताल

अध्ययन न० पढ़ना

अध्यवसाय पु० निश्चय करना। यह ऐसे ही है।

अध्यापक त्रि० पढ़ाने वाला उपाध्याय

अध्यापन न० पढ़ाना, स्त्री अध्यापय

अध्याय पु० सर्ग, वर्ग, अङ्क, पर्व उल्लास

अध्यारूढ त्रि० चढ़ने वाला

अध्यारोप पु० और में दूसरे की भावना करना।

अध्यासन पु० भोजन पर भोजन करना

अध्याहार पु० ऊहा, अन्य किसी शब्दको लेकर समझा देना।

अध्येषणा न० प्रार्थना। मांगना।

अध्रुव वि० चञ्चल। जो स्थिर न रहे
अध्वग पु० पथिक मुसाफिर।
अध्वनीन वि० पथिक मुसाफिर
अध्वर पु० हिंसारहित यज्ञ
अध्वर्यु पु० यजुर्वेद का ज्ञाता। ऋत्विज्।
अनघ वि० पापरहित। पुण्यशील।
अनच्छ वि० मैलायुक्त।गदलाअस्वच्छ
अनडुह् पु० बैल। वृषभ
अनध्याय पु० न पढ़ना
अनन्त पु० जिसका अन्त न हो।
अनर्गल वि० बिना रोक टोक। अड़चन रहित
अनर्घ वि० जिसका मूल्य न हो सके। अमूल्य।
अनर्थ पु० जिसका अर्थ न हो। निष्प्रयोजन बेफायदा।
अनर्थान्तर न० एक अर्थ वाला
अनल पु० अग्नि। आग
अनवधानता स्त्री० प्रमाद। भूल
अनवरत वि० लगातार। निरन्तर बराबर
अनवसर वि० असमय। बेवक्त
अनवस्कर वि० निर्मल। विमल साफ।
अनशन न० न खाना। उपवास
अनसूया स्त्री० गुणों में दोषारोप करना। अत्रिमुनि की स्त्री
अनाकुल वि० न घबड़ाया हुआ। स्वस्थ।
अनागत वि० आगे आनेवाला समय।
अनाचार पु० आचार का न होना
अनातप पु० धूपका न होना।छाया
अनादर पु० अपमान। तिरस्कार। बेइज्जती।
अनादि पु०जिसकाआदि शुरू नहो
अनामय पु० रोग का न होना। आरोग्य
अनायास पु०बिनाप्रयत्न।फ़राग़त
अनारत न० लगातार। सन्तत
अनार्जव पु० कुटिलता।असरलता
अनावृष्टि स्त्री० वर्षा का न होना।
अनास्था स्त्री० अनादर अप्रतिष्ठा
अनिल पु० वायु। हवा
अनिलसख पु०वायुकामित्र अग्नि
अनिवार्य वि० जिसका निवारण न होसके
अनिष्ट वि०बुरा। दुःखका साधन पाप
अनीक न० सेना। फौज

अनीश पु० जिस का कोई स्वामी न हो
अनीह त्रि० जिसकी कोई इच्छा न हो
अनु अ० पीछे, निकृष्ट । लक्षण, वीप्सा
अनुकम्पा स्त्री० दया, मेहरबानी कुछ हिलना ।
अनुकर्षण न०पीछेसेआगे खींचना
अनुकामीन त्रि०इच्छापूर्वक चलने वाला
अनुकूल त्रि० सहचर मुआफ़िक
अनुक्रम पु०परिपाटी । सिलसिला
अनुक्रमणिका स्त्री०भूमिका।दीबाचह ।
अनुग त्रि०पीछेचलनेवाला सहचर
अनुगत त्रि० शरणापन्न । अधीन
अनुगम पु०पीछेजाना।सहायीहोना
अनुग्रह पु० कृपा, दया, महरबानी
अनुचर त्रि०साथजानेहारा।सेवक दास ।
अनुज त्रि० छोटाभाई
अनुज्ञा स्त्री० आदेश । हुकम
अनुताप पु० पश्चात्ताप । पछताना
अनुत्तर त्रि० जिसका उत्तर न दिया हो ।
अनुधावन न०पीछे दौड़ना तलाश करना
अनुनय पु०विनय । प्रार्थना। प्रणिपात झुकना ।
अनुनासिक पु०ङ ञ ण न म मुख सहित नासिकासे जो बोला जावे
अनुपपत्ति त्रि०असंगत ।दलीलका न होना
अनुपम त्रि० उपमाशून्य।बेमिसाल
अनुपलब्धि स्त्री०अप्राप्तिनमिलना
अनुपान न० औषधके साथमें मधु आदि देना
अनुपूर्व पु०यथाक्रम।सिलसिलेवार
अनुप्रास पु० तुल्यवर्णोंकी रचना
अनुभव पु० प्रथमज्ञान । तजुर्बा
अनुमत त्रि० सम्मत । मंजूर
अनुमति स्त्री० मानलेना । अनुज्ञा
अनुमान न० धूमको देखकर आग का होना
अनुमोद पु० अन्यके कथनके अनुसार स्वयं मानकर कहना । ताईद
अनुराग पु० अतिप्रीति प्रेम, स्नेह
अनुराधा स्त्री० २७नक्षत्रों में१७वाँ नक्षत्र

अनुरूप न० एक जैसा,सदृश रूप-वाला।
अनुरोध पु० रुकावट । अनुसरण
अनुलाप पु० बार बार कहना
अनुलेप पु० चन्दन आदिका मलना
अनुलोम पु० यथाक्रम सिलसिले-वार
अनुवाद पु० जाने अर्थको वर्णन करना । तर्जुमा
अनुवासन न० धूपआदिसे सुगन्धि युक्त करना
अनुशय पु० अतिद्वेष । बहुतवैर
अनुशासन न० आज्ञा-हुकम-शासन
अनुशीलन न० बार २ विचारना । बार २ अभ्यास करना
अनुष्ठान न० वेद विहित शुभकर्म करना
अनुसन्धान न० अन्वेषण-तलाश करना
अनुसरण न० पीछेजाना-पीछाकरना
अनूचान पु० वेदज्ञ । वेदका जानने वाला
अनून न० सम्पूर्ण-पूरा
अनृत न० मिथ्या । झूंठ
अनेक त्रि० बहुत । एक से भिन्न
अनेकप पु० जो मुख और सूंड से पीता है । हाथी।
अनेकरूप त्रि० जिसके बहुत रूपहों
अनेहस् पु० दिवस । दिन
अनोकह पु० वृक्ष दरख्त । पेड़
अन्त न० नाश,कोना,सीमा, हद
अन्तःकरण न० मन, बुद्धि चित्त अहङ्कार
अन्तःपुर न० रनवास
अन्तक पु० नाश करने वाला । यम मृत्यु
अन्तकर त्रि० नाश करनेवाला ।
अन्तग त्रि० पार जाने वाला ।
अन्तर न० अवकाश,अवधि,भीतरी
अन्तरङ्ग त्रि० जिसके अङ्ग भीतरहों
अन्तरा अ० बिना मध्य निकट
अन्तराय पु० विघ्न । रुकावट
अन्तराल न० मध्य । बीच
अन्तरिक्ष न० आकाश । आसमान
अन्तर्हित त्रि० बीचमें आया तिरस्कृत
अन्तरीप पु० जिसके मध्यमें जल हो द्वीप-जज़ीरा
अन्तरे अ० मध्य बीच
अन्तरेण अ० बिना-बीच
अन्तर्दाह पु० भीतर जलन
अन्तर्द्धान न० छिपना- ओट होना

अन्तर्द्धि पु० छिपना-आच्छादन ढकना
अन्तर्भूत त्रि० गुप्त-छिपाहुआ
अन्तर्यामिन पु० भीतरका हाल जानने वाला ईश्वर
अन्तर्वत्नी स्त्री० गर्भवती स्त्री
अन्तर्हित त्रि० गुप्त-छिपाहुआ
अन्तिक त्रि० जो पास रहे,पास
अन्तिम त्रि० पीछेका, आखिरी
अन्त्य पु० सबसे पीछे चाण्डाल
अन्त्यज पु० चाण्डाल प्रभृति
अन्त्येष्टि स्त्री०मृतदाह-अन्तिम-संस्कार
अन्दू स्त्री० निगड़-जंजीर
अन्ध त्रि० दोनों आंखोंसेनदेखने वाला
अन्धकार पु० न० तम-अन्धेरा
अन्धकूप पु० अन्धेरा कुआ। जहां बहुत अन्धेरा हो। व्यतिरेक।
अन्यत्र अ० बिना, दूसरी जगह,
अन्यथा अ० नहीं तो। दूसरीरीति से, बिना, झूट।
अन्यदा अ० कालान्तर में। फिर कभी
अन्याय पु० अनुचित, असंगत। उलटा जुल्म।
अन्योन्य त्रि० परस्पर, आपस में
अन्योन्याभाव पु० आपस में एक दूसरे का न होना।
अन्योन्याश्रय त्रि० एक दूसरेका सहारा
अन्वय पु० वंश। पदोंकी परस्पर आकाङ्क्षा।
अन्वयव्याप्ति स्त्री०अन्वयके साथ नियमसे रहना जैसे जहां धूम होगा वहां अग्नि अवश्य होगा
अन्वयसर्ग पु० जैसा चाहते हो वैसा करते ऐसी आज्ञा।
अन्वादेश पु० कहे हुये को पुनः कहना। जैसे इसने व्याकरण तो पढ़ लिया है अब गणित पढ़ाइये।
अन्वेषण न० खोज ढूंढना पाछ्छा चाह।
अप् स्त्री० जल नीर, पानी।
अप अ०वियोग विकार,उलटापन।
अपकार पु० बुराई, अनिष्ट, वैर, दुश्मनी।
अपकृष्ट त्रि० अधम, नीच। हीन।

अपक्रम पु० पलायन, भागना, अवृद्धि
अपक्रिया स्त्री० द्रोह, वैरअपकार
अपक्रोश पु० निन्दा,बुराई अपवाद
अपक्षेपण न० नीचे को फेंकना।
अपचय पु० हानि नुकसान,घटाना
अपचार पु० अनाचार, बुराकाम।
अपत्य न० सन्तान। औलाद।
अपत्रप वि० लज्जाहीन, बेशरम।
अपथ न० कुमार्ग, बुरा रास्ता।
अपथ्य वि० हानिप्रद वस्तु नुकसान देने वाली चीज़।
अपदेश पु० छल, बहाना, लक्ष्य निशान, निमित्त।
अपनयन न० दूरकरना, खण्डन करना
अपभ्रंश न० गिरना अशुद्धोच्चारण
अपमान न० अवज्ञा, निरादर बेइज्जती
अपरति स्त्री० विराग हटजाना।
अपरत्र अ० परलोक में,पीछे दूसरा समय।
अपराध पु० पातक पाप गुनाह।
अपराह्न पु० दिनका तीसरा पहर
अपरिग्रह पु० स्वीकार न करना दान न लेना।
अपरिच्छिन्न वि० इयत्ता रहित असीम। बेहद्
अपरेद्युस् अ० दूसरे दिन परसों
अपरोक्ष न० प्रत्यक्ष। सामने
अपर्याप्त वि० अपूर्ण। जो पूरा नहीं
अपलाप पु० सत्यको छिपाना,स्वीकार न करना।
अपवाद पु० निन्दा,वाक्यविरोध
अपवारण न० अन्तर्धान। छिपना पर्दा।
अपाय पु० नाश, हटाना, दुःख, आपत्ति
अपितु अ० किन्तु। यदि यद्यपि।
अपिधान न० ढकना। आच्छादन
अपूप पु० पूआ। पुआ।
अपेक्षा स्त्री० आकांक्षा। निस्बत
अबाध वि० जिसमें बाधा न हो।
अब्ज न० कमल पद्म
अब्द पु० बादल। मोथा। संवत्
अब्धि पु० समुद्र। सागर
अभ्र न० बादल। मेघ
अभय न० भय का नहोना। बेडर
अभाव पु० न होना। मरना
अभिज्ञ वि० चतुर,पण्डितजानकार
अभिधा स्त्री० प्रथम शब्द। नाम

अभिधेय त्रि॰ नाम वाला ।
अभिनहन न॰ दोनों ओरसे बांधना
अभिनीत त्रि॰ सीखा हुआ । शिक्षित ।
अभिप्राय पु॰ मतलब । आशय ।
अभिभव पु॰ पराजय।हारतिरस्कार
अभिमत त्रि॰ सम्मत । आदृत
अभिमान पु॰ अहङ्कार । दर्प । घमण्ड
अभिमुख । त्रि॰ सम्मुख सामने॰।
अभियुक्त त्रि॰ प्रतिवादी । मुल्जिम
अभियोग पु॰ मुकद्दमा ।
अभिराम त्रि॰ सुन्दर प्रिय मनोहर
अभिरूप पु॰ पंडित, चन्द्रमा, मनोहर, कामदेव ।
अभिलाप पु॰ कामना । प्रेरणा
अभिलाष पु॰ इच्छा,चाह,मनोरथ लोभ ।
अभिवाद पु॰ प्रणाम, वन्दना ।
अभिवादन न॰ वाचिक प्रणाम, नमस्कार
अभिविधि पु॰ मर्यादा, व्याप्ति, यहां से यहां तक
अभिव्यक्त पु॰ प्रत्यक्ष, प्रकाशित, रोशन ।

अभिव्याप्ति स्त्री॰पूरी तरहसे मि- लना,सम्पूर्ण अङ्गोंसे सम्बन्ध
अभिशाप पु॰ मिथ्या, अपवाद शाप ।
अभिषङ्ग पु॰ तिरस्कार, निन्दा
अभिषेक पु॰ पदपर नियत करना तिलक
अभिसन्ताप पु॰शाप देना तपन
अभिसन्धान न॰वञ्चन. प्रतारण ठगना, अनुराग ।
अभिसम्पात पु॰गिरना, पतन
अभिसर त्रि॰ अनुचर, सेवक
अभिसर्जन न॰ देना, वध, लूट
अभिसार पु॰ बल, युद्ध सहाय
अभीक त्रि॰ अमुक,स्वामी दयार्द
अभीक्ष्णम् अ॰ बारम्बार, नित्य हरवक्त ।
अभीद पु॰ निर्णय । [ व्याकुल
अभीष्ट त्रि॰वाञ्छित,प्रिय,मनोहर
अभेद पु॰ एक रूप । विकार
अभ्यक्त पु॰ तेल आदिका मलना
अभ्यञ्जन न॰ तेल लगाना ।
अभ्यन्तर न॰बीच । भीतर ।
अभ्यर्ण त्रि॰समीप, पास,निक
अभ्यवहार पु॰ भोजन, खाना

अभ्यसन न॰ अभ्यास। बार २ एक काम को करना।
अभ्यागत पु॰ अतिथि, महात्मा।
अभ्याश पु॰ समीप अवश्यमेव।
अभ्यास पु॰ एककार्यको बार २ करना महावरा
अभ्याहार पु॰ भोजन। आहार देखते २ चुरालेना
अभ्युच्चय पु॰ अभ्युदय। वृद्धि। तरक्की।
अभ्युत्थान न॰ आदरसे उठकर आगे लेना। उठना।
अभ्युदय पु॰ वृद्धि। बढ़तीतरक्की
अभ्युपगम पु॰ मानलेना। निकट आगया। युक्ति, दलील।
अभ्युपाय पु॰ स्वीकार। मंजूर। अच्छा उपाय
अभ्यूह पु॰ तर्क। दलील
अम पु॰ रोग। बिना पकाफलादि
अमड्गल पु॰ अप्रसन्नता। एरण्ड का वृक्ष।
अमत्र न॰ भोजनका पात्र बर्तन।
अमर पु॰ जो मरे नहीं।
अमराद्रि पु॰ सुमेरु पर्वत।
अमर्ष पु॰ कोप। गुस्सा कोप
अमर्षण त्रि॰ क्रोधी गुस्सेवाला
अमल न॰ निर्मल, साफ दोष रहित।
अमात्य पु॰ मन्त्री। मन्त्री। वजीर
अमित्र पु॰ शत्रु। दुश्मन। वैरी।
अमुत्र न॰ परलोक दूसरा जन्म।
अमूर्त त्रि॰ जिसका आकार न हो आकाश। वायु। आत्मा
अमृतफला स्त्री॰ अमलकी। आमला
अमृतवल्ली स्त्री॰ गुडूची गुर्च
अमेध्य न॰ अपवित्र। नापाक
अमोघ त्रि॰ सफल जो व्यर्थ न हो
अम्बक न॰ नेत्र। आँख। लोचन
अम्बर न॰ आकाश। वस्त्र कपड़ा
अम्बष्ठ पु॰ चिकित्सक। हकीम
अम्बा स्त्री॰ जननी माता
अम्बालिका स्त्री॰ विचित्र वीर्य की मा पांडुकी मा।
अम्बिका स्त्री॰ धृतराष्ट्र की माता
अम्बु न॰ जल। पानी। तोय।
अम्बुकणा स्त्री॰ पानीकी बूंद
अम्बुज न॰ कमल। चन्द्रमा
अम्बुद पु॰ मेघ। बादल
अम्बुधि पु॰ समुद्र। सागर
अम्बुरुह न॰ पद्म, कमल।

अम्भोज न॰ पद्म, कमल ।
अम्भोधर पु॰ मेघ, बादल। समुद्र,
अम्भोधि पु॰ समुद्र सागर
अम्र पु॰ आमका वृक्ष ।
अम्ल न॰ छाछ, मट्ठा, खट्टी
वस्तु ।
अम्लक पु॰ कुछ खट्टा ।
अयस्कार पु॰ लुहार ।
अयि अ॰ प्रश्न, सवाल, सम्बोधन
अय अ॰ कोप। गुस्सा, दूसरे को
बुलाना ।
अरण्य न॰ वन, जंगल ।
अरण्यानी स्त्री॰ बड़ा वन ।
अरविन्द न॰ कमल । बगला ।
अरर त्रि॰ किवाड़, द्वार, दर्वाजा ।
अराति पु॰ शत्रु, दुश्मन ।
अरि पु॰ शत्रु । अमित्र । वैरी ।
दुश्मन ।
अरिन्दम पु॰ शत्रुजेता । दुश्मनों
पर दबाव रखने वाला ।
अरिमर्द त्रि॰ शत्रुओंको तपानेवाला
दुश्मन को दबाने वाला ।
अरिषड्वर्ग पु॰ काम क्रोध, लोभ
मोह, मद, मात्सर्य ।
अरिष्ट पु॰ सन्तानोत्पत्ति गृह ।
अशुभ

अरुचि पु॰ अन्न रुचि न होना
अरुज त्रि॰ नीरोग, रोग रहित
तन्दुरुस्त ।
अरुण पु॰ सूर्य । सूर्यलाली। सु
अरुणनेत्र पु॰ लालआँखवाला ।
अरुणोदय पु॰ सूर्य, सूर्यकान्त
अरुन्तुद त्रि॰ मर्मभेदी । हृदय
चुभने वाला ।
अरे अ॰ नीच सम्बोधन, क्रोध
बुलाना ।
अर्क पु॰ सूर्य, आकका वृक्ष, मको
अर्कतनय पु॰ सुग्रीव । कर्ण ।
अर्गला स्त्री॰ ज़ंजीर । शृंखल
अर्घ पु॰ मूल्य, कीमत । पूजा
अर्घ्य न॰ हाथ पैर धोनेके लिये
अर्चा स्त्री॰ पूजा । सत्कार ।
अर्चि स्त्री॰ आग की लपट । र
किरण । चमक ।
अर्चित त्रि॰ पूजा किया
सत्कारित ।
अर्जक पु॰ इकट्ठा करने वाल
अर्जन न॰ इकट्ठा करना । उपा
अर्णव पु॰ समुद्र सागर। समु
अर्तन न॰ निन्दा, तिरस्कार, नि
अर्थ पु॰ प्रयोजन, उद्देश्य, म

अर्थदूषण न० धनको बुरे काम में व्यय करना।

अर्थप्रयोग पु० लेन देन। काम में लाना।

अर्थव्ययज्ञ पु० किस स्थान पर कितना धन व्यय किया जाय ऐसा जानना।

र्थागम पु० धन का आना।

र्थापत्ति स्त्री० एक बात के कहने से दूसरी बात अपने आप सिद्ध होजाये जैसे चैत्र जीता है परन्तु यहां नहीं है तो अन्यत्र अवश्य होगा।

अर्धचन्द्र पु० गला पकड़कर निकाल देना धक्का देना।

अर्धरात्र पु० आधी रात

अर्पण न० देना। भेंट करना

र्पित त्रि० दिया गया।

र्भक पु० बालक,मूर्ख,दुबला,कमजोर

र्वाचीन त्रि० नूतन। नया

र्ह पु० सत्कार करने के योग्य, पूज्य

लम् अ० पर्याप्ति। काफी। निषेध

र्क पु० पागल कुत्ता। आक

ङ्कार पु० आभूषण, साहित्य शास्त्र

अलस पु० उद्योग रहित। आलसी सुस्त

अलात पु० न० अर्धदग्धकाष्ठ। लुकटा कोयला।

अलौकिक त्रि० विचित्र। अजीब

अल्प त्रि० बहुत कम। जरासा

अल्ला स्त्री० माता। मा। अम्मा।

अवकर पु० कूड़ा।

अवकाश पु० अवसर। फुरसत मौका।

अवगत त्रि० ज्ञात हुआ। ज्ञान

अवगाह पु० स्नानगृह,गुसलखाना

अवगीत त्रि० कलङ्कित, दुष्ट, इल्ज़ाम

अवगुण पु० दोष, बुराई, ऐब

अवगुण्ठन न० घूंघट निकालना

अवग्रह पु० रोक टोक वृष्टिरोध।

अवचय पु० संचय इकट्ठा।

अवचूलक न० चोटी, मोरछल

अवच्छिन्न त्रि० संकुचित, सिकुड़ा हुआ

अवच्छेदक त्रि० काटनेवाला।

अवज्ञा स्त्री० बेइज्जती, अनादर

अवटीट पु० चपटी नाक वाला।

अवतंस पु० शिरोभूषण, मुकुट।

अवतार पु० जनम, पारहोनागङ्गादि
अवदात पु० श्वेत, सुन्दर चिट्टारंग
अवदारण न० खनित्र, कुद्दाल
अवद्य त्रि० अधम, नीच, पापी
अवधान न० मनोयोग, गौर अवधानी
अवधारण न० निश्चयकरण
अवधि पु० सीमा, हद्, काल,
अवन न० प्रीणन, तसल्ली, रक्षण
अवनत त्रि० नम्र, झुकाहुआ।
अवनी स्त्री० पृथिवी, जमीन।
अवन्तिका स्त्री० उज्जैन
अवपात पु० नीचे गिरना
अवमानना स्त्री० अपमान। बेअदबी
अवयव पु० शरीरके भाग, अङ्ग
अवर त्रि० चरम, आखिरी पिछला
अवरति स्त्री० विराम, ठहरना। अमन
अवरूढ़ त्रि० अवतीर्ण उतरा हुआ
अवरोध पु० निरोध, रोक
अवरोह पु० अवतरण, उतरना।
अवलम्ब पु० आश्रय, सहारा, ठहरना।
अवलिप्त त्रि० अहंकारी, मगरूर
अवलेप पु० गर्व अहंकार, गरूर
अवलेह पु० चटनी।
अवलोकन न० दर्शन, देखना।

अवश त्रि० अस्वाधीन, परवश बेबस
अवशिष्ट त्रि० बाकी, अधिक, मिल
अवश्य अ० त्रि० सर्वथा, जरूर
अवसर पु० प्रस्ताव, प्रसंग, समय मौका।
अवसर्प पु० चर। दूत। कासिद
अवसान न० विराम, समाप्ति आखीर, हद्
अवस्कन्द पु० शिबिर, छावनी, आक्रमण
अवस्कर पु० कूड़ा
अवस्तार पु० जवनिका कनात, पर्दा
अवस्था स्त्री० आयु। उम्र, दशा। हालत
अवस्थान न० स्थिति, जगह
अवध्वंसन न० अधःपतन। नीचे गिरना
अवहेला न० स्त्री० अनादर, बेअदबी
अवाङ्मुख त्रि० जिसका नीचे को मुख हो।
अवाचन न० जो कहनेके योग्यनहीं
अवि पु० भेड़। बकरा। सूर्य।
अविनय न० [illegible]
अविद्या स्त्री० अज्ञान मूढ़ता अवि

अपनीत पु० अशिक्षित । न सीखा हुआ ।

अविरत त्रि० लगातार। विरामशून्य

अविरल त्रि० सघन, निबिड़ मिला हुआ

अविवेक पु० अज्ञानता । बेवकूफी

अविश्रान्त त्रि० विरामशून्य। लगातार

अविस्पष्ट न० गोलमाल जो साफ़ साफ़ न हो

अवेक्षण न० दर्शन। देखना। सोचना।

अव्यय पु० सर्व विभक्तियों तथा सर्व वचनों एवं जो सर्वलिङ्गों में सम रहता हो

अशन न० भोजन । खाना

अशनाया स्त्री० भूख अति भूख।

अशनि पु० गाज । बिजली ।

अशरीर त्रि० जिसका शरीर न हो परमात्मा ।

अशान्त त्रि० अशिक्षित खाया हुआ ।

अशुश्री स्त्री० पुत्र विहीना स्त्री । बेऔलाद औरत

अशिति स्त्री० अस्सी ८०

अशुभ त्रि० पाप । अमङ्गल

अशेष त्रि० समस्त । सब

अशोच्य त्रि० जो शोक करने के योग्य न हो।

अशौच अपवित्रता । नापाकी ।

अश्मरी स्त्री० पथरी की बीमारी

अश्रान्त त्रि० सतत । लगातार न थका हुआ ।

अश्रु पु० आँसू । नेत्र जल ।

अश्रुत त्रि० जो सुना न हो । अनसुना

अश्लील न० ग्राम्यभाषा । गाली गलौज ।

अश्व पु० घोटक । घोड़ा

अश्वतर पु० खिच्चर अश्वतर

अश्वमुख पु० घोड़े का सा मुंहवाला

अश्वमेध पु० यज्ञविशेष

अश्ववार पु० सवार । घुड़चढ़ी ।

अश्वारि पु० भैंसा । महिष ।

अश्वारोह पु० सवार । घोड़ेपर चढ़नेवाला ।

अषाढ़ पु० आषाढ़ मास का नाम

अष्टधा अ० अष्टप्रकार । आठतरह से

अष्टधातु पु० सोना चांदी तांबा पीतल कांसी जस्ता कलीलोहा

अष्टमी स्त्री० आठें एक तिथि का नाम

अष्टांग पु० योग विशेष यम नियम आसन प्राणायाम प्रत्याहार ध्यान धारणा समाधि ।

असङ्ख्य त्रि॰ जिसकी संख्या न हो। बेशुमार।
असभ्य खल। नीच। पामर।
असमञ्जस न॰ असंगत। जो युक्तियुक्त न हो।
असमय पु॰ दुष्काल। बेवक्त।
असमर्थ त्रि॰ दुर्बल। अशक्त। कमजोर।
असम्मत त्रि॰ अनभिमत। उलटा बरअक्स। [अपभ्रंश
असाधु त्रि॰ असज्जन। दुष्टात्मा
असाध्य त्रि॰ जिस का उपाय न होसके। दुर्दम।
असाम्प्रतम् अ॰ अयुक्त। ना मुनासिब। बेमौका। [निःसार
असार पु॰ जिस में सार न हो।
असि पु॰ तलवार। खड्ग तरवार
असिधेनुका स्त्री॰ छुरिका। छुरी।
असु पु॰ प्राण। चित्त। [चित्त
असुख न॰ दुःख। क्लेश। अकल्याण।
असुर पु॰ सूर्य। रात्रि। दैत्य।
असूयक त्रि॰ गुणों में दोष लगानेवाला। चुगलखोर।
असूया स्त्री॰ निन्दा। बुराई।
अस्तम् अ॰ नाश। अदृश्य होना।

अस्तमन न॰ अस्त होना सूर्यादिका छिपना।
अस्ति अ॰ स्थिति, विद्यमानता, मौजूदगी
अस्तु अ॰ आज्ञा, ऐसाही. खैर
अस्त्यान न॰ भर्त्सन, मलामत निरादर। [हथियार
अस्त्र न॰ फेंकने योग्य शस्त्र आदि
अस्थान न॰ नामुनासिब जगह
अस्नायिर न॰ नाड़ीनसों से रहित
अस्मद् त्रि॰ हम, आत्मवाचीसर्वनाम
अस्मिता स्त्री॰ मोह मिथ्या ज्ञान
अस्वतन्त्र त्रि॰ पराधीन, परवश
अहंयु त्रि॰ अहङ्कारी, घमंडी।
अहङ्कार पु॰ अभिमान, गरूर।
अहम्मति स्त्री॰ अज्ञान, अविद्या। [दिनका भाग
अहर्गण पु॰ दिनों का समूह।
अहर्दिव अ॰ प्रतिदिन, रोज़मर्रा
अहर्मुख पु॰ दिन का प्रथम भाग सूर्य प्रातः।
अहस्कर पु॰ सूर्य, भानु। सूरज
अहह अ॰ आश्चर्य, खेद, [illegible]।
[illegible]

अहि पु० सांप, राहु, सूर्य, सीसा।
अहिंसा स्त्री० मन वाणी कर्म से किसीको दुःख न देना।
अहित पु० नुकसान, प्रतिकूल, दुःख देने वाला।
अहिलता स्त्री० पानकी बेल।
अहीरणि पु० दो मुख वाला सांप
अहो अ० शोक करुणा, धिक्कार विषाद, सम्बोधन [पछताव।
अहोवत अ० शोक बोधक, दया भाव
अहोरात्र पु० रातदिन। अहर्निश
अह्नाय अ० शीघ्र, जल्दी।

( आ )

आकम्पित वि० कांपता हुआ।
आकर पु० खान धातु निकलनेका स्थान।
आकर्णिक पु० अयस्कान्त, चुम्बक।
आकलन न० इच्छा, गिनती, सोचना
आकस्मिक वि० अचानक, एकाएकी
आकांक्षा स्त्री० चाह, इच्छा, अभिलाष।
आकाय पु० निवास, घर, श्मशानाग्नि
आकार पु० मूर्ति, मनका अभिप्राय स्वरूप।
आकारणा स्त्री० बुलाना, पुकारना
आकालिक वि० बिना समय, बेवक्त पैदा हुई चीज।
आकाश पु० गगन, आसमान।
आकाशवल्ली स्त्री० अमरबेल।
आकुञ्चन न० सकोड़ना, संकोच।
आकुल वि० व्याकुल, घबराया हुआ।
आकृति स्त्री० आकार शकल।
आक्रन्द पु० ऊँचे स्वर से रोना चिल्लाना।
आक्रम पु० चढ़ाई करना लड़ाई करना। [स्थान
आक्रीड पु० खेलकी जगह, क्रीडा
आक्रोश पु० निन्दा करना शाप। पुकारना।
आक्षीब पु० मस्त, मतवाला, पागल
आक्षेप पु० कलंक लगाना फटकारना
आख पु० खनित्र, फावड़ा [खोदने वाला।
आखनिक पु० चोर, सूअर, चूहा,
आखु पु० चूहा, चोर, सूअर।
आखेट पु० मृगया, शिकार।
आखेटिक पु० शिकारी भयानक
आख्या स्त्री० संज्ञा नाम रूप।
आख्यात वि० कहा गया, वर्णन किया गया।
आख्यातृ वि० कहनेवाला अध्यापक

आख्यान न॰ इतिहास, कथा, कहानी
आख्यायिका स्त्री॰ कथा, कहानी
आगत त्रि॰ उपस्थित, हाज़िर, आगया।
आगम पु॰ आना, शास्त्र।
आगस् न॰ अपराध, पाप, चूक, भूल
आगार न॰ स्टेशन, पड़ाव, स्थान।
आघात पु॰ चोट, आहनन।
आघ्राण न॰ गन्धकाले ॥, गन्धग्रहण सूघना।
आचार पु॰ चालचलन व्यवहार।
आचार्य पु॰ शिक्षक, ज्ञानदाता, अध्यापक।
आच्छन्न त्रि॰ ढका हुआ, रक्खा, हुआ।
आच्छादन न॰ वस्त्र, कपड़ा, पर्दा
आच्छिन्न न॰ कटाहुआ। खसोट पड़ाहुआ।
आजि स्त्री॰ समरभूमि। लड़ाईकी जगह। [ गुज़र
आजीव पु॰ जीविका, निर्वाह,
आज्ञा स्त्री॰ निर्देश, शासन, हुकम
आज्य न॰ घृत, घी।
आञ्जनेय पु॰ हनुमान्।
आटविक त्रि॰ जङ्गली वनचर।
आटोप पु॰ अहङ्कार, वेग, ज़ोर।
आडम्बर पु॰ हर्ष। खुशी, अहङ्कार, वेग
आढक पु॰ न॰ अरहर, अन्नविशेष
आढ्य त्रि॰ धनी, मिलाहुआ, महाधनी
आतङ्क पु॰ रोग, सन्ताप। भय।
आतप पु॰ पीड़ा, गर्मी, धूप।
आतपत्र न॰ छाता। छतरी
आतिथ्य न॰ अतिथि सेवा।
आतुर त्रि॰ रोगी, पीड़ित, दुखिया
आत्मघोष पु॰ काक कौआ, कुत्ता
आत्मज पु॰ पुत्र, बेटा, लड़का।
आत्मदर्श पु॰ दर्पण शीशा।
आत्मनीन त्रि॰ अपना पुत्र, स्वहितकारी
आत्मम्भरी पु॰ अपनाही पेट भरनेवाला, पेटू
आत्मरक्षा स्त्री॰ अपना रक्षण। स्वपालन। अपना बचाव
आत्माधीन पु॰ अपने वश, पुत्र।
आत्मसात् अ॰ अपने साथ अपने काबू में।
आत्मीय त्रि॰ स्वकीय। अपना।
आदर पु॰ मान, प्रतिष्ठा, इज्ज़त।
आदर्श पु॰ दर्पण, नमूना।

आदान न० लेना, ग्रहण।
आदि पु० प्रथम, पहिले होना
आदित्य पु० सूर्य। सूरज।
आदिपुरुष पु० ईश्वर, परमात्मा।
आदिम पु० पहिले हुआ। आदि का आद्य। [किया गया।
आदृत वि० पूजा गया। आदर—
आदेश पु० आज्ञा, हुक्म इत्तिला।
आद्य वि० प्रथम हुआ। प्रथम
आद्यून वि० जिसे सर्वदा खाने का ही ध्यान रहे।
आधमर्ण्य न० कर्ज़ा। [आसरा।
आधार पु० अधिकरण आश्रय।
आधि पु० मनोव्यथा मनकी पीड़ा
आधिक्य न० बहुतायत ज़ियादती
आधिदैविक वि० अग्नि आदि से उत्पन्न हुआ दुःख। [पना।
आधिपत्य न० स्वामित्व मालिक-
आधिभौतिक वि० व्याघ्र, सर्पादिक से उपजा दुःख। [गया
आधुनिक वि० इदानीन्तन, अबका,
आधेय वि० एक वस्तु के ऊपर दूसरी वस्तु जैसे चौकी पर पुस्तक। [रोग।
आध्मान पु० पेटका फूलना। वायु

आध्यात्मिक वि० शोक मोह ज्वरादिसे पैदा हुआ दुःख।
आध्यान न० चिन्ता। शोच। फ़िक्र
आनक पु० दुन्दुभि बाजा। मृदङ्ग।
आनत वि० कृत प्रणाम, विनययुक्त
आनन न० मुख। मुंह।
आनन्द पु० हर्ष। सुख। प्रेम।
आनन्दमय पु० जिससे प्रसन्नता ही प्रसन्नता रहे।
आनाय पु० जाल लाना।
आनाह पु० मलबन्दी रुकावट। कब्ज़
आनुकूल्य न० अनुकूलता। मुआ-फ़िक़ [अनुमान से हुआ।
आनुमानिक वि० अनुमान से।
आनृत वि० जिसके मिथ्या कार्य हों झूठा। झूंठ।
आन्तर वि० बीच। बीच का।
आन्दोलन न० बारम्बार डोलना, मथना
आन्धसिक पु० पाचक रसोइया
आन्वीक्षिकी स्त्री० तर्कविद्या। न्याय शास्त्र।
आपगा स्त्री० नदी। दरिया [दार।
आपण पु० दूकान, पण्यविक्रय-
आपणिक वि० दूकानदार व्यापारी
आपात पु० गिरनेका समय। मार्ग

आपान न० जहां बहुत से शराबी मिलकर शराब पीते हैं शराब पीने का स्थान। [पोद्दामोदा

आपीन न० ऊध। थेन। स्फीत।

आपृच्छा स्त्री० आलाप पूछना। बातचीत।

आप्तकाम त्रि० जिसने अपनी इच्छा पूरी करली हो।

आप्लव पु० स्नान, नहाना

आबिल त्रि० कलुष। काला मासाक

आभरण न० भूषण। जेवर। गहना।

आभा स्त्री० चमक। शोभा।

आभाषण न० आलाप। बातचीत।

आभास पु० प्रतीति। प्रतिबिम्ब

आभीक्ष्ण्य न० पौनः पुन्य। बार बार होना।

आभीर पु० अहीर। ग्वाला।

आभीरपल्ली स्त्री० ग्वालों का घर।

आम त्रि० अपक्व। जो पका न हो अजीर्ण रोग। [श्राबत

आमन्त्रण न० बुलाना। निमन्त्रण

आमय पु० मारना। रोग। माँचा गया

आमर्शन न० स्पर्श छूना। विचारना

आमर्ष पु० क्रोध। गुस्सा।

आमलक पु० आमलावृक्ष।

आमाशय पु० नाभि और स्तनोंके बीचका भाग। अपक्व भाग

आमिष न० पु० मांस। उत्कोच।

आमोद पु० बहुलगन्ध। हर्ष। खुशी। सुन्दर। लाभ।

आम्नाय पु० वेद। आगम। नित्य

आम्र पु० आमकापेड़। आमकाफल

आम्रेडित त्रि० बारबारकहा वचन।

आय पु० आमदनी।

आयत त्रि० लम्बा। तूल

आयतन न० आश्रम। बैठक। विश्राम स्थान। [मानद

आयत्त त्रि० आधीन। वशीभूत।

आयाम पु० दैर्घ्य। लम्बाई

आयास पु० परिश्रम। मेहनत।

आयु पु० न० जीवनकाल। उम्र

आयुध न० अस्त्र हथियार। प्रहरण मात्र।

आयुर्वेद पु० चिकित्साशास्त्र, तिब

आयुष्य त्रि० आयु हितकारी। पथ्य हितकारी।

आयोजन न० लगाना। जोड़ना। उद्योग मिहनत।

आयोधन न० युद्धभूमि, लड़ना, युद्ध

आरट्ट ज पु० अरब देशका घोड़ा।

आरब्ध त्रि० आरम्भ किया गया। शुरू किया गया
आरम्भ पु० शुरू। इब्तदा। उद्यम
आरात् अ० समीप, पास, नज़दीक
आराधन न० उपासना। पूजन। तोषण
आराम पु० उपवन। बाग़
आरोग्य न० रोग का न होना। तन्दुरुस्ती।
आरोप पु० औरमें और धर्मप्रतीत होना जैसे रस्सी में सांपका ज्ञान।
आरोह पु० चढ़ना। आरोहण
आर्जव पु० सरलता। सीधापन
आर्त्त त्रि० दुःखी। पीड़ित।
आर्द्र त्रि० गीला। जलसिक्त।
आर्द्रक न० अदरक [ गुद
आर्य पु० सज्जन। साधु स्वामी
आर्यपुत्र पु० पति मालिक।
आर्यमिश्र त्रि० श्रेष्ठ मान्य
आर्यावर्त पु० पवित्रभूमि। भारतवर्ष
आर्ष त्रि० ऋषियों से बनाया हुआ शास्त्र
आलभन न० स्पर्श छूना पाना
आलम्ब पु० आश्रय सहारा मदद
आलम्भ पु० स्वरूपप्राप्ति अच्छे प्रकार प्राप्त होना छूना

आलय पु० स्थान गृह घर खाना
आलवाल न० थाला थल्हा
आलस्य न० सुस्ती प्रमाद आलसी
आलाप पु० कथोपकथन सम्भाषण बातचीत [ भ्रमर।
आलि-ली स्त्री० सेतु। पुल। सखी।
आलिङ्गन न० प्रीतिपूर्वक आपसमें मिलना। चिपटना। [लोपना
आलिम्पन न० मङ्गलार्थलेपन।
आवरण न० ढाल। पर्दा।
आवर्त पु० जलका घूमना। भ्रमर।
आवर्तन न० बिलोना। आलोडन।
आवर्तित त्रि० लौटाया गया। अभ्यास किया गया।
आवश्यक त्रि० जरूरी।
आवसथ पु० निवासस्थान। गृह
आवास पु० निवासस्थान। घर
आवाहन न० बुलाना। पुकारना
आवृत्ति स्त्री० अभ्यास। बार २ गुनना। लौटना
आवेश पु० अहङ्कार क्रोध। गुस्सा।
आवेग पु० घबराहट। चिन्ता। शोक
आशंसु त्रि० इच्छुक। उम्मेदवार
आशङ्का स्त्री० त्रास। डर। संशय शङ्का
आशय पु० अभिप्राय। मतलब आधार.

आशा स्त्री० उम्मेद। दिशा।इच्छा
आशित त्रि० भुक्त। खाया हुआ
आशीर्वाद पु०आशीर्वचन। मङ्गल
वचन। असीस [सूर्य।
आशुग पु० शीघ्रचलनेवाला। वायु
आशुतोष त्रि०शीघ्रप्रसन्न होनेवाला
आश्रम पु०ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वान-
प्रस्थ, संन्यस्त
आश्रय पु०आसरा। सहारा 'मदद
आश्रित त्रि०शरणागत,शरणमेंपड़ा
आश्वास पु०आश्रयदान तसल्ली
आषाढ़ पु०असाढ़ एक मासकानाम
आसन न० उपवेशन। पैठना
आसन्न न०समीप पास, नजदीक
आस्तिक त्रि० ईश्वर और वेदका
मानने वाला।
आस्तीर्ण त्रि०फैलाहुआ। विस्तृत
आस्था स्त्री० आशा। उम्मेद
आस्पद न० प्रतिष्ठा। इज्जत
आस्य न० मुख। आनन
आस्वाद पु० स्वाद। रस सुवाद।
आहव न० युद्ध। संग्राम
आहार पु० भोजन। खाना।[ल्प
आहोस्वित् अ०अथवा। प्रश्न। विक-
आह्निक त्रि०दैनिक,रोजाना,डेली

आह्लाद पु०प्रसन्नता हर्ष खुशी
आह्वान न०बुलाना। पुकरना।

( इ )

इक्षु पु०गन्ना,मीठे रसवाला पौ
इक्षुसार पु०गुड़,गन्नेका रस।
इक्ष्वाकु पु०सूर्यवंशी प्रथमरा
इङ्गित न०मनोभिप्राय।आशय।
इच्छा स्त्री० अभिलाष। चाह
इज्या स्त्री० यज्ञ। दान। मिल
इतर त्रि० अन्य,और, भिन्न,
इतरेतर त्रि०अन्योन्य। परस्प
[आपस
इतम् अ० यहांसे इधरसे। य
इतस्ततः अ० इधर उधर
इति अ०निदर्शन प्रकार। स
इतिहास पु० पुरावृत्त तथा
इत्थम् अ० इसप्रकार। इसत
इदम् अ० यह
इदानीम् अ० इससमय।इस
इद्ध न० दीप्त। प्रकाश। रोश
इध्म न० काष्ठ। लकड़ी
इन पु०सूर्य। स्वामी। मा
इन्दु पु० चन्द्र। चांद
इन्दुमती स्त्री०अजराजाकी
इन्द्र पु० सूर्य। परमात्मा

इन्द्रजाल न॰ कपटमाया।बाजीगरी
इन्द्रजालिक त्रि॰ छलिया मदारी
इन्द्रप्रस्थ न॰ देहलीनगर
इन्द्रिय न॰ श्रोत्र, त्वचा, चक्षु जिह्वा नासिका, हस्त, पाद, पायु, उपस्थ, वाक, मन । इत्यादि
इन्द्रियार्थ पुं॰ इन्द्रियों का विषय । शब्दादि ।
इन्धन न॰ काष्ठ, लकड़ी
इयत्ता स्त्री॰ सीमा । हद । परिमाण
इला स्त्री॰ भूमि।पृथ्वी । जमीन
इषु पु॰ तीर, बाण [होतूण
इषुधि पु॰ जहां बाण रक्खा जाता
इष्टका स्त्री॰ ईंट
इष्टि स्त्री॰ यज्ञ । क्रतु । होम
इह अ॰ इस समय । यहां

( ई )

ईक्षण न॰ दर्शन । देखना
ईदृश त्रि॰ ऐसा । इस शब्द का
ईप्सित त्रि॰ चाहागया । इष्ट
ईर्म न॰ व्रण । फोड़ा । जख्म
ईर्ष्या स्त्री॰ बैर हसद [परमेश्वर
ईश्वर पु॰ जन्मादि से रहित ।
ईश पु॰ स्वामी । परमात्मा
[illegible] न॰ मल्ल । योद्धा । कुश
ईषदुष्ण पु॰ कुछगर्म
ईहा स्त्री॰ चेष्टा । वाञ्छा, चाह
ईहित त्रि॰ चाहागया।

( उ )

उक्त त्रि॰ कथित । कहागया
उक्ति स्त्री॰ कथन । कहना
उग्रसेन पु॰ कंसका पिता
उचित त्रि॰ यथार्थ । मुनासिब ठीक
उच्च त्रि॰ उन्नत । ऊँचा
उच्चतरु पु॰ नारियलका पेड़
उच्चाटन न॰ उत्पाटन।उखाड़ना
उच्चार पु॰ उच्चारण । कहना मल । विष्ठा । गू ।
उच्चावच त्रि॰ बहुत । अनेकप्रकारके
उच्छित्ति स्त्री॰ उच्छेद।नाश तबाह
उच्छिष्ट त्रि॰ खानेसेबचाहुआ । जूठा
उच्छीर्षक न॰ तकिया । उपधान
उच्छून त्रि॰ स्फीत । फूला हुआ
उच्छेद पु॰ छेदन तोड़ना विनाश तबाह
उज्जयिनी स्त्री॰ अवन्तीपुरी उज्जैन
उज्ज्वल त्रि॰ दीप्त । चमकताहुआ
उञ्छन पु॰ उञ्छना।गिरेहुए अन्न को बटोरना ।
उड्डीन न॰ उड़ना । उछलना।

...यार पु० छुटकारा। बचाव।
...मुक्ति।
...द्धृत वि० उठाया गया। उछाला गया
...द्बन्धन न० फांसी लगाना।
अपने को लटकाना
...द्बोध पु० पहिचान। याददाश्त
...द्भव पु० उत्पत्ति। जन्म।
पैदाइश
...द्यत वि० तयार। सन्नद्ध
...द्यम पु० उद्योग, हिम्मत, परिश्रम
...द्यान न० आना। बाग। चौक।
...द्योग पु० यत्न। चेष्टा। उद्यम।
...द्वाह पु० विवाह, शादी। परिणय
...द्विग्न वि० घबराया हुआ, आतुर
...द्वेष्टन न० मुरैठे। दस्ताने।
पगड़ी
...न्दुर पु० मूषक। चूहा। मूसा
...न्नत वि० ऊँचा। महान्। बड़ा
...न्नति स्त्री० वृद्धि, बढ़ती।
...न्नमित वि० उठाया गया।
ऊँचा किया गया
...न्नयन न० वितर्क। दलील।
उठाना
...न्नस पु० ऊँची नाक वाला
...न्मत्त वि० आगाहुआ। सावधान

उन्मत्त पु० धतूरा। पागल। बौरा
उन्माद पु० चित्तविभ्रम, पागलपना
उन्मान न० तोल। माप। मापना
उन्मीलन न० उन्मेष। नेत्रका
खोलना
उन्मूलन न० जड़ से उखाड़ना।
उत्पाटन। उजाड़ना [आरम्भ
उपम० समीपता पासहोना, अधिक
उपकण्ठ वि० निकट। समीप, पास
उपकार पु० उपकृति। मदद।
मेहरबानी। भलाई। सहायता।
उपकारक पु० भलाई करनेवाला
उपक्रम पु० प्रथम। आरम्भ, शुरू
इलाज। चिकित्सा।
उपकोश पु० निन्दा, कोसमरतर्जना
उपक्रोश पु० गर्दभ। गदहा।
उपगूहन न० आलिङ्गन। मिलना
पकड़ना
उपग्रह पु० कारावन्धन, जेलखाना
उपग्राह्य न० उपढौकन। भेंट।
नजराना
उपघात पु० अपकार। मारा चोट
उपचय पु० वृद्धि। उन्नति बढ़ना
उपचर्या स्त्री० चिकित्सा, हिकमत
उपचार पु० चिकित्सा, व्यवहार

उपज्ञा स्त्री० उपदेश किये बिना समझ लेना। प्रथमज्ञान
उपढौकन न० भेंट। उपहार। प्राभृत
उपत्यका स्त्री० पर्वत के ऊपरकी भूमि
उपदंश पु० लिंगरोग सुजाक गर्मी
उपदंशक पु० छालोन्ना। दूरवान
उपदा स्त्री० भेंट। रिश्वत। उपढौकन
उपदिशा० विदिक्: अग्नेय नैऋत्य
उपद्रव पु० उत्पात गुणोपद्रव जुल्म
उपधा स्त्री० छल कपट। फरेब
उपधान न० तकिया सिरहाना
उपधि पु० छल। कपट। धर्म [प्रमा
उपनत वि० उपस्थित। हाजिर।
उपनय पु० उपनयन यज्ञोपवीत संस्कार। जनेऊ संस्कार।
उपनयन न० यज्ञोपवीत जनेऊ
उपनाम पु० अन्य नाम। तखल्लुस।
उपनिधि पु० धरोहर। अमानत
उपनिषद् स्त्री० वेदान्त ग्रन्थ विशेष ब्रह्मविद्या का पुस्तक
उपनेत्र न० चश्मा ऐनक नैन
उपन्यास पु० वाक्यारम्भ। अफसाना।

उपपति पु० जार। गोलपति। अन्यपति [युक्ति दलील
उपपत्ति स्त्री० सिद्धि। संगति।
उपपन्न वि० युक्तियुक्त। मुनासिब
उपमा स्त्री० समानता। बराबरी
उपमान न० जिससे समानता दीजाय जैसे "चांदके समान मुख
उपयमन पु० विवाह। शादी
उपयुक्त वि० लायक। ठीक २
उपयोग पु० लगाना। इस्तेमाल
उपरत वि० हटाहुआ। निवृत्त मृत मराहुआ [हटन
उपरति स्त्री० उदासीनता। विरक्ति
उपराम पु० निवृत्ति। हटन आराम।
उपल पु० पत्थर। रत्न। [ओला
उपलब्धि स्त्री० प्राप्ति। हासिल
उपवन न० उद्यान। बाग। बगी- चरी वन
उपवास पु० भोजन न करना। उपास [हाजिर
उपस्थित वि० वर्तमानविद्यमान।
उपस्पर्श पु० स्पर्श। छूना मलना
उपहार पु० भेंट। नजर। उपढौ
उपांशु अ० छिपाहुआ। मनमें

उपाख्यान न० प्राचीन समाचार
उपागम पु० स्वीकार। मानलेना
उपाधि पु० पदवी। छल। नाम
उपाध्याय पु० अध्यापक मास्टर उस्ताद्
उपानह् स्त्री० जूता। जूती।
उपान्त पु० निकट। नज़दीक।
उपाय पु० साधन। उपगम। हासिल [इलाम
उपायन न० उपहार। पुरस्कार
उपालम्भ पु० निन्दा। उलाहना।
उपासक त्रि० उपासना करनेवाला सेवक।
उपासन न०शरास्त्राभ्यासशुश्रूषासेवा
उपेक्षा स्त्री० त्याग। छोड़ना। बेपर्वाही
...त त्रि० बोयाहुआ धान्य।
...भयत्र न० दोनोंस्थान,दोनोंजगह
...भयथा अ०दोनोंप्रकार।दोनोंतरह
...रग पु० सर्प। सांप। आदि
...ररी अ० स्वीकार। मंजूर
...श्छद पु० कवच। सनाह बखतर
...स् न० वक्षःस्थल। छाती सीना
...रीकृत त्रि० स्वीकृत। मंजूर
...रा स्त्री० उपजाऊ भूमि।ज़रखेज़

उर्वी स्त्री० भूमि। ज़मीन।
उलूखल न० उखली। ऊखली
उल्का स्त्री० आकाशसे गिरा हुआ तेजका समूह [हुई लकड़ी
उल्मुक न० अंगारा।टुकड़ाजलती
उल्लास पु० प्रकाश। चमक। हर्ष
उल्लेख पु० लिखना। उच्चारण। बोलना
उशीर पु० चन्द्रातप। चांदनी।
उल्लोल पु० महातरङ्ग। बड़ीलहर
उल्ब न० जरायु। गर्भको ढांकने वाला चमड़ा। गड्डा।
उल्बण त्रि० स्पष्ट। साफ। ज्यादा
उशनस् पु० शुक्र।
उशीर न० वीरणमूल। खसखस
उष पु० दिन। गुग्गल। क्षारविशेष
उषस् न०प्रभात। अहर्मुख सुबह
उषा स्त्री० प्रभात। प्रातः। सुबह
उषित त्रि०वासी।पर्युषित।जला हुआ
उष्ट्र पु० क्रमेल। ऊँट।
उष्णांशु पु० सूर्य। सूरज।
उष्णागम पु० निदाघकालगर्मी का समय।
उष्णीष पु० साफा। पगड़ी मुकट

चपेट पु० चपेटा, थप्पड़, धौल
चमत्कार पु० लोकातीत वस्तु अजीब चीज़को देखकर विस्मय आश्चर्य
चमर पु० चौरी, चँवर
चमस पु० न० चमचा
चम्पक चमेली ।
चम्पू स्त्री० गद्यपद्य मिश्रितकाव्य
चय पु० इकट्ठा करना, गोट, समूह
चयन न० बीनना, इकट्ठा करना
चर पु० गुप्त दूत, प्रणिधि जासूस
चरण न० पु० पैर, जाना, खाना
चरम त्रि० अवसान, आखिरी [जगत्
चराचर चलने और न चलने वाला
चरित त्रि० स्वभाव, चालचलन, लीला कथा [र ला,
चरिष्णु पु० चालाक, इधर उधर घूमने
चर्चा स्त्री० विचार, बातचीत चिन्ता
चर्मकार पु० चमार, चमड़े का काम करने वाला
चर्मन न० खाल, चमड़ा
चर्मपादुका स्त्री० चमड़े का जूता
चला स्त्री० चलने वाली, लक्ष्मीधन
चलाचल त्रि० अत्यन्त चञ्चल; काक कौवा ।
चाटुकेर पु० चिड़ियाका बच्चा
चटु पु० प्यारा वचन। प्रियवाक्
चाटुपटु पु० खुशामदी,
चाणूर पु० कंस का पहलवान
चाण्डाल पु० भंगी, श्वपच
चातक पु० पपीहा,
चातुरी स्त्री० चतुराई, होशियारी
चाप पु० धनुष, कमान
चापल न० अनवस्थान बेकरारी
चामीकर न० स्वर्ण, सोना, धतूरा
चार पु० गुप्त दूत, जासूस
चारण पु० यशको फैलाने वाला
चारु पु० मनोहर सुन्दर
चालनी स्त्री० चलनी
चाष पु० नीलकण्ठ
चिकित्सक पु० वैद्य हकीम डा
चिकित्सा स्त्री० इलाज
चिकुर पु० केश बाल
चिक्कण त्रि० गुलाब चिकना
चिच्छक्ति स्त्री० चेतनता
चिञ्चा स्त्री० इमलीका वृक्ष
चित त्रि० इकट्ठाकियाहुआ ढ
चिति स्त्री० चिन्ता। समूह चु
चित्त न० मन बुद्धि दिल
चित्तविक्षेप स्त्री० मनोविकार

चित्य पु० आग चिता
चित्र न० तसवीर मूर्ति नक्शा
चित्रकंठ पु० पारावत कबूतर
चित्रकार पु० तसवीर बनानेवाला
चित्रकूट पु० एक पर्वत का नाम
चित्रपट पु० रङ्गबिरंगाकपड़ामूर्ति
चित्रपादा स्त्री० सारिका मैना
चित्रभानु पु० अग्नि सूर्य आक
चित्राङ्गद पु० शान्तनु राजाका पुत्र
विचित्रवीर्य का भाई
चिन्ता स्त्री० सोच फिक्र
चिन्मय पु० चैतन्यस्वरूप ईश्वर
चिरम् अ० दीर्घ । देरीसे
चिरक्रिय वि० दीर्घसूत्री सुस्त
चिरण्टी स्त्री० युवास्त्री जवानऔरत
चिरन्तन वि० प्राचीन चिरकालपुराना,
चिरत्नवि० प्राचीन पुरातनपुराना,
चिरायुस् त्रि० बहुत समय तक
जीनेवाला [खीरा
चिर्भटी स्त्री० ककड़ी फूट कचरा
चिल्ल पु० चील नामक पक्षी
चिबुक न० ठोढ़ी
चिह्न न० लक्षण निशान
चीन पु० एकदेश महीन कपड़ा
[illegible]ाल पु० चीतना बिल्ला

चीवर पु० वस्त्रखंड कपड़ेका टुकड़ा
चीवर न० भिक्षुक वस्त्र कौपीन ।
लँगोटी । [चुम्बक पत्थर
चुम्बक पु० अयस्कान्तमणि ।
चुरा स्त्री० तस्करता चोरी
चुलुक पु० निविडपङ्क बहुतकीच
चुल्लि-ल्ली स्त्री० चूल्हा चूल
चूडा स्त्री० चोटी जटाजूट [मणि
चूडामणि पु० शिरोरत्न शिरकी
चूत पु० आम्र आम [हुई वस्तु
चूर्ण पु० चून पिसा वस्तु पिसी
चूर्णक पु० चूरा फूटा हुआ
चूष्य वि० चूसने योग्य वस्तु
चेट पु० दास नौकर सेवक
चेद् अ० यदि अगर ।
चेतन पु० आत्मा । ईश्वर । कद
जीवधारी
चेतकी स्त्री० हरीतकी । हरड़
चेतना स्त्री० ज्ञान । बुद्धि समझ ।
चेतस् न० चित्त । दिल ।
चेल न० वस्त्र । कपड़ा ।
चेष्टा स्त्री० यत्न । हरकत प्रयत्न
चैतन्य न० चेतना । होशमें होना
चैत्र पु० एकमासका नाम । चैत
चैद्य पु० शिशुपाल

चोदना स्त्री० उपदेश। नसीहत
चोद्य न० प्रश्नसवाल पूर्वपक्ष
चौर पु० तस्कर। चोर
चोल न० चोला। चोला। एकदेश
चोली स्त्री० कंचुक। अंगिया
चोष्य स्त्री० चूसने लायक
चौल न० चूड़ाकर्म। मुण्डन
च्यवन न० धीरे २ चूना टपकना
च्युति स्त्री० झरना। गिरना।

( छ )

छगल पु० छाग। बकरा
छटा स्त्री० दीप्ति। चमक प्रकाश
छत्र पु० छाता। छतरी। नागवेला शाक
छदि पु० पटल। छान। छत
छद्मधारण पु० छलना बनावटी
छद्म न० छल। कपट। धोखा
छन्द पु० इच्छा। चाह। अभिलाष
छन्दस् न० गायत्री आदि छन्द।
इच्छानुसार
छन्न वि० आच्छादित ढका हुआ
छर्दिस पु० वमन। ओकना घृणा
छर्दि स्त्री० वमनरोग। के
छल न० शाठ्य कपट बहाना
[illegible]

छवि स्त्री० शोभा। कान्ति
छाग पु० छागल। बकरा
छात वि० कटाहुआ छिन्न
छात्रपु०विद्यार्थी शागिर्द
छादन न० ढाकना। कपड़ा
छाया स्त्री० धूपका न होना
छिक्का स्त्री० छींक
छिद्वर वि० बैरी। दुश्मन
छिदिर पु० कुठार। कुल्हाड़ा
छिद्वर वि० बैरी। दुश्मन
छिद्र न० छेद। दूषण। दोष
छुरिका स्त्री०छुरी। चाकू
छुछुन्दरि स्त्री०दैत्यजातिविशेष
छेद पु०काटना तोड़ना कर
छोटिका स्त्री० चुटकी

( ज )

जगत् पु० संसार दुनिया
जगत्प्राण पु० वायु। हवा
जगती स्त्री० पृथिवी। भुवन
जगदाधार पु० ईश। वायु
जगन्नाथ पु०संसारकास्वामी
जग्ध वि०खाया हुआ। भक्षित
[illegible]
जघन न० कमर जांघ
जघन्य वि० नीच। अधम

...चलनेवाला । चलन
शक्तिसमन्वित
...ङ्गल न० एकान्त । सनहा
...ङ्घा स्त्री० जांघ
...टिल पु० महाशाला, सिंह, ब्रह्मचारी
...ठर न० उदर । पेट । कुक्षि
...ड़ त्रि० मूर्ख, मूक, गूंगा । बेवकूफ
...तु न० लाह । लासा
...न पु० पुरुष । लोग । आदमी
...नक पु० पिता । बाप । फादर
...नकसुता स्त्री० सीता । जानकी
...नता स्त्री० जन समूह, मनुष्योंकी भीड़
...ननी स्त्री० माता । मम्मा । मादर
...नपद पु० देश । मुल्क
...नमेजय पु० परीक्षित् राजा का पुत्र
...नश्रुति स्त्री० किंवदन्ती कहावत
...नस्थान न० खोखोंके रहनेकी जगह
...न्तु पु० प्राणी, प्राणवाला । जीव
...न्मन् न० उत्पत्ति । पैदाइश
...न्ममास पु० जन्मका महीना
...न्मान्तर न० दूसरा जन्म
...न्माष्टमी स्त्री० श्रीकृष्णजी के जन्म की तिथि । भादकृष्णा
...त्रि० आपसमान । पैदाहुआ

जप पु० परमेश्वरमन्त्रकोधीरे२ पढ़ना
जमदग्नि पु० परशुराम के पिता
जम्पती पु० पुरुष स्त्री । पतिपत्नी
जम्बाल पु० पङ्क कीचड़ कीच
जम्बु-म्बू स्त्री० जामुनका वृक्ष
जम्बुक पु० गीदड़ । स्यार
जय पु० जीत । फतह
जयढक्का स्त्री० जीतकी मुनादी
जयद्रथ पु० दुर्योधनकी बहिन का पति
जयन्ती स्त्री० पताका । झण्डा
जयपत्र न० जीतकापत्र, फतहनामा
जया स्त्री० हरीतकी । तिथिसमूह
जरठ त्रि० कठोर, जीर्ण । बूढ़ा । वृद्ध
जरत् त्रि० वृद्ध । बूढ़ा । जर
जरन्त पु० भैंसा । बूढ़ा
जरा स्त्री० बुढ़ापा । वृद्धावस्था
जरासन्ध पु० वृहद्रथकापुत्र एकराजा
जर्जर पु० न० बूढ़ा । फटाहुआ
जल त्रि० मूर्ख । उदक । पानी
जलकण्टक पु० सिंघाड़ा
जलचर पु० जलजन्तु पानीकाजीव
जलज पु० पानीमेंउपजीवस्तु, कमल
जलद पु० मेघ । बादल
जलधर पु० बादल । समुद्र

जलधि पु॰ समुद्र। सागर
जलनिधि पु॰ समुद्र। सागर
जलनिर्गम पु॰ पानीका निकास
जलप्राय न॰ जहां बहुत पानी हो ऐसा स्थान
जलबुद्बुद न॰ पानीका बुलबुला
जलमार्ग पु॰ प्रणाली। मोरी। नाली
जलमुच् पु॰ मेघ। बादल
जलव्याल पु॰ पानीमेंरहनेवालासांप
जलहास पु॰ झाग। फेन
जलावर्त पु॰ पानीकाघूमना। भँवर
जलुका स्त्री॰ जोंक जलौकस्
जलेचर पु॰ पानीमें रहनेवालाजीव
जलेश्वर पु॰ समुद्र। सूर्य
जलौका स्त्री॰ जोंक
जल्पाक॰ वाचाल बकवाद | वादी
जल्पाक॰ बहुतबोलनेवाला बक॰
जवनिका स्त्री॰ कनात। परदा
जवनाल न॰ ज्वारका यवन धान्यविशेष
जागर पु॰ जागना नींदकानहींहोना
जागरित त्रि॰ जगाहुआ जागृत
जागर्या स्त्री॰ जागरण। जागना
जाग्रत त्रि॰ जागा हुआ | चालाक
जागरूक त्रि॰ जगनेमेंरहनेवाला। जगने
जाङ्गल॰ प्रचुर अन्न, वैद्यका जाङ्गल

जातवेदस् पु॰ अग्नि। आग
जाति स्त्री॰ जनन। जन्म।
जातिफल न॰ जायफल
जातु अ॰ कभी। निसन्देह
जातुष त्रि॰ लाख से बना लाख की चीज
जातेष्टि स्त्री॰ जातकर्म संस्कार
जात्य त्रि॰ कुलीन। श्रेष्ठ
जात्यन्ध त्रि॰ जन्मका अन्धा
जानकी स्त्री॰ जनककी पुत्री। सीता
जानपद त्रि॰ देशका। देशमेंभया
जानु न॰ घुटना। गोड़।
जामदग्न्य पु॰ परशुराम।
जामातृ पु॰ जामाता। दामाद
जामि स्त्री॰ स्त्री। बहिन
जायाजीव पु॰ जो स्त्रीके भरोसे जीता है। नट
जायु पु॰ औषध। दवा
जार पु॰ उपपति। यार
जारज त्रि॰ कुण्ड। हरामी
जाल न॰ पाश। जाल
जालिक त्रि॰ वागुरिक शिकारी
जाल्म त्रि॰ पामर नीचाविवेक
जाह्नवी स्त्री॰ गङ्गानदी
जिगीषा स्त्री॰ जीतनेकी इच्छा
जिगीषु त्रि॰ जीतनेकी इच्छा

ज्वलन पु॰वह्नि। आग।दाह जलन
ज्वलित त्रि॰दग्ध। दीप्त। उज्वला चमकीला।
ज्वाल-ला पु॰स्त्री॰ अग्निकीलपट
ज्वालामुखो स्त्री॰वह पहाड़ जिस में से आग निकले।

## ( झ )

झञ्झा स्त्री॰एक प्रकारकी ध्वनी बड़ी हवा
झटिति अ॰शीघ्र,झट,उसीवक्त
झम्प पु॰कूदना
झर पु॰झरना
झल्लक पु॰न॰मजीरा
झल्झरी स्त्री॰ढोल
झष पु॰मत्स्य मछली।
झामक न॰झामा।बहुत पकीहुईईट
झिल्ली स्त्री॰झींगुर
झुण्ट पु॰झाड़ी। स्तबक

## ( ट )

टङ्क पु॰काष्ठकोष तरवार छैनी
टङ्कशाला॰रजतमुद्रा चांदीकारुपया
टक्कन पु॰सुहागा
टिट्टिभ पु॰टिटिहरा,पक्षी
टिप्पणी स्त्री॰टीका। नोट
टीका स्त्री॰तिलक, वृत्ति, अर्थ
ठक्कुर पु॰ठाकुर। चौधरी
डमरु पु॰डौरु,एक बाजा
डल्लक न॰टोकरा, डला
डिम्ब पु॰शिशु बच्चा, अण्डा उ[illegible]
डिम्भ पु॰शिशु, बच्चा, मूर्ख
डीन न॰उड़ना।

## ( ढ )

ढक्का स्त्री॰ढोल,ढोलक।

## ( त )

तक्र न॰मट्ठा छाछ चौथाभाग [illegible]
तक्षक पु॰बढ़ई।नर्कान,कारी[illegible]
तच्छील त्रि॰उस स्वभाव
तट त्रि॰कूल।किनारा।
तटस्थ त्रि॰तीरका।
तडाग पु॰तालाब।
तटिनी स्त्री॰नदी।
तडाग पु॰ [illegible]
तडित् स्त्री॰[illegible]
तण्डुल पु॰
तत् अ॰हेतु
तत त्रि॰[illegible]
ततस्त्य [illegible]
तति [illegible]

ज्वलन पु॰वह्नि। आग।दाह जलन
ज्वलित त्रि॰दग्ध। दीप्त। उज्वल चमकीला।
ज्वाल-ला पु॰स्त्री॰ अग्निकीलपट
ज्वालामुखी स्त्री॰वह पहाड़ जिस में से आग निकले।

( झ )

झञ्झा स्त्री॰एक प्रकारकी ध्वनी बड़ी हवा
झटिति अ॰शीघ्र,झट,उसीवक्त
झम्प पु॰कूदना
झर पु॰झरना
झल्लक पु॰न॰मजीरा
झल्लरी स्त्री॰ढोल
झष पु॰मत्स्य. मछली।
झामक न॰झामा॥बहुत पकीहुईईंट
झिल्ली स्त्री॰झींगुर
॰झाड़ी। स्तबक

( ट )

[illegible] तलवार छेनी
[illegible] चांदीकारुपया
[illegible]
॰टहरा,पक्षी
॰टीका। नोट

टीका स्त्री॰तिलक, वृत्ति, अर्थ
ठक्कुर पु॰ठाकुर। चौधरी
डमरु पु॰डौरु,एक बाजा
डल्लक न॰टोकरा, डला
डिम्ब पु॰शिशु बच्चा, अण्डा॰।
डिम्भ पु॰शिशु, बच्चा, मूर्ख
डीन न॰उड़ना।

( ढ )

ढक्का स्त्री॰ढोल,ढोलक।

( त )

तक्र न॰मट्ठा छाछ चौथाभाग
तक्षक पु॰बढ़ई।तखान।
तच्छील त्रि॰उस स्वभाव का
तट त्रि॰कूल।किनारा। [-
तटस्थ त्रि॰तीरका। किनारेका
तडाग पु॰तालाब। ताल।
तटिनी स्त्री॰नदी। दरिया।
तडाग पु॰ सरोवर। तालाब
तडित् स्त्री॰बिजली। विद्युत्
तण्डुल पु॰चावल।
तत् अ॰हेतु। इसलिए
तत त्रि॰फैलाहुआ।घिराहुआ।
ततस्त्य त्रि॰वहां होनेवाला
तति स्त्री॰ पङ्क्ति। श्रेणी

दोषग्राहिन् त्रि॰ जो दोषों को ही लेता है गुणोंको नहीं दुर्जन

दोषज्ञ त्रि॰ पण्डित वैद्य हकीम

दोषत्रय न॰ वात पित्त कफ सफरा सौदा बलगम

दोषा अ॰ रात्रि रात

दोह पु॰ दुहना दुग्ध दूध दोहनी

दोहनी स्त्री॰ जिसमें दूध दुहाजावे दूहनेका बर्तन [भाषामेंदोहनी

दोहा स्त्री॰ एक प्रकारका छन्द जो

दौर्मनस्य न॰ [illegible]

दौवारिक पु॰ द्वारपाल दरबान

दौष्कुलेय त्रि॰ नीच कुलमें उत्पन्न

दौहित्र पु॰ [illegible]

द्यावापृथिवी स्त्री॰ भूमि आकाश ज़मीन आसमान

द्यु पु॰ अग्नि सूर्य आकाश [illegible]

द्युति स्त्री॰ कान्ति शोभा प्रकाश

द्युमणि पु॰ सूर्य सूरज

[illegible] पु॰ [illegible]

द्यूत न॰ जुआ [illegible]

द्यूतकर त्रि॰ जुआरी जुआ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

द्रढिमन् पु॰ दृढता पुष्टि मज़बू[illegible]

द्रव पु॰ बहनेवालावस्तु रस [illegible]

द्रवत्व न॰ बहनेकाकारण [illegible]

द्रवद्रव्य न॰ बहने वाली चीज़

द्रविड पु॰ एक देश। उस देश[illegible] रहने वाला

द्रविण न॰ वित्त,धन,पर,क्रम [illegible]

द्रव्य न॰ पृथिवीआदि [illegible]

द्रष्टृ त्रि॰ विचारशील,साक्षी,[illegible]

द्राक् अ॰ शीघ्र,झटिति,जल्द[illegible]

द्राक्षा स्त्री॰ दाख किशमिश

द्राघिमन् पु॰ [illegible]

द्राघिष्ठ त्रि॰ बहुत लम्बा [illegible]

द्रावक पु॰ चन्द्रकान्तमणि [illegible]

द्रु पु॰ वृक्ष शाखा डाली [illegible]

द्रुण पु॰ [illegible]

द्रुम पु॰ वृक्ष दरख्त

द्रोह पु॰ अनिष्टचिन्तन,[illegible]

द्रोणी स्त्री॰ [illegible]

[illegible] पु॰ [illegible]

[illegible]

[illegible] पु॰ [illegible]

[illegible]

[illegible] त्रि॰ [illegible]

[illegible]

धावक पु॰धोबी,रंगरेज,शीघ्रगन्ता
धावन न॰ साफ़करना,जल्दजाना
धिक् अ॰ धिक्कार छि भिड़कना लानत [विद्वज्जनी
धिक्कार पु॰ तिरस्कार निरादर
धिषणा॰ स्त्री॰ बुद्धि,अक़्ल, समझ
धिष्ण्य न॰ स्थान गृह जगह शक्ति अग्नि
धी स्त्री॰ बुद्धि गति, अक़्ल, समझ
धीसचिव पु॰मन्त्री वज़ीर दीवान
धीमत् पु॰पण्डित,चतुर समझदार
धीति स्त्री॰ पीना चूसना प्यास अंगुली ध्यान [वली]पण्डित
धीर त्रि॰ धीरज वाला नम्र हलीम
धीवर पु॰ धीवर कहार
धीसख पु॰अमात्य,वज़ीर मन्त्री
धुत त्रि॰ छोड़ागया, कांपगया, कम्पित
धुनि-नी स्त्री॰ नदी दर्या
धुरन्धर त्रि॰ बोझा सहारनेवाला बोझा लेचलनेवाला बैलआदि
धुरीण त्रि॰ श्रेष्ठ अच्छा बोझा उठाने वाला
धुर्य त्रि॰ भार उठानेवाला अच्छा
धूतत्रि॰कम्पित,चलागयाछोड़ागया

धूप पु॰ सुगन्धित सामग्री
धूम पु॰ धुआं
धूमकेतन पु॰ एकतारा, अग्नि
धूमयोनि पु॰ मेघ बादल गोली लकड़ी
धूमल पु॰ धुयें कैसा रङ्ग धा...
धूम्या स्त्री॰ धूमका समूह ... साधन
धूम्रक पु॰ ऊंटमेल ऊंटहों ...
धूम्रलोचन पु॰ जिसके नेत्र...
धूर्जटी पु॰ शिव बमभोला
धूर्त्त पु॰ वञ्चक, धतूरा ...
धूर्त्तक पु॰ शृगाल स्यार
धूर्वह पु॰ धुरन्धर
धूलि-ली स्त्री॰ रेता धूर
धूलिध्वज पु॰ वायु हवा
धूसर पु॰ गर्दभ गदहा ...
धृतराष्ट्र पु॰ दुर्योधन का...
धृति पु॰ राजि पकड़ना प्रसन्नता धीरज [...
धृष्णु त्रि॰ निर्लज्ज बेशर्म ...
धृष्ट त्रि॰ निर्लज्ज ढीठ ...
धृष्टद्युम्न पु॰ द्रुपद राजाका...
धेनु स्त्री॰ गाय गया
धेनुक पु॰ धेनुओं का सम...

नटन न॰ नाचना नृत्य
नटी स्त्री॰ वेश्या कजरी नटनी
नत त्रि॰ नम्र झुकाहुआ
नतनासिक त्रि॰ जिसकी नाक झुकी हो
नति स्त्री॰ प्रणाम नम्रता झुकना
नद पु॰ स्वाभाविक जलका प्रवाह
नदी स्त्री॰ पर्वत से निकलनेवाला जल का प्रवाह दरिया
नदीज त्रि॰ जो नदी में पैदा हो
नदीन पु॰ समुद्र सागर
नदीमातृक त्रि॰ समुद्र सागर
नदीष्ण त्रि॰ नदी में तिरनेवाला
नद्ध त्रि॰ बंधाहुआ मिलाहुआ
ननन्द स्त्री॰पतिकी बहिन ननद
ननु अ॰ प्रश्न सवाल यक़ीनन बुलाना सम्बोधन
नन्दथु पु॰ हर्ष खुशी
नन्दन पु॰ पुत्र खुश करनेवाला
नन्दिनी स्त्री॰ वसिष्ठजी की गाय
नपुंसक पु॰ क्लीब हीजड़ा
नप्तृ पु॰ पौत्र नाती पोता धेवता
नभ पु॰ न॰ सावनका महीना आकाश आसमान
नभश्चर पु॰ मेघ बादल वायु हवा पक्षी सूर्य आदि ग्रह
नभस् न॰
नभस्य पु॰ भाद्रपद भादों
नभस्वत् पु॰ वायु हवा पवन
नभोमणि पु॰ सूर्य सूरज भानु
नमस् अ॰ नति झुकना शब्द करना [ सलाम
नमस्कार पु॰ नमन
नमस्य त्रि॰ नति करने के नमस्कार करने के लायक
नमेरु पु॰ रुद्राक्ष वृक्ष
नम्र त्रि॰ विनयान्वित
नम्रक पु॰ वेतस बेंत नम्र
नय पु॰ नीति न्याय नेता
नयन न॰ पहुंचाना नेत्र आंख
नर पु॰ परमात्मा पुरुष
नरक पु॰ पापियों के मय फल भोगना दुःख
नरककुण्ड न॰ पापियोंके भोगने की योनि स्थान
नरदेव पु॰ नरोंमें देवता
नरपति पु॰ भूपाल राजा
नरपुंगव पु॰ मनुष्यों में बहुतअच्छा
नरमेध पु॰ अश्वमेध अन्तिम आहुति
नरवाहन त्रि॰ जिसके मनुष्य

नाडिन्धम पु० स्वर्णकार सुनार
नाडि-डी स्त्री०नाड़ीनस घड़ीनाली
नाणक पु०प्रशस्त अच्छा मोहर
आदि जिसपर लगीहो
नाथ पु०अधिपति स्वामी मालिक
नाद पु०शब्द आवाज़ ऊँचा शब्द
नादेय न०नदीका के की पानी आदि
नाना अ० अनेक बहुत कईकिस्म
नानार्थ त्रि०जिसके बहुत मतलब
निकले
नापित पु०नाई भाऊ लौआ
नाभि पु० टूंडी पहिये का धुरा
मुख्य राजा [ सम्भावना
नाम अ०स्वीकार विस्मय स्मरण
नामकरण न०नाम धरना एक
संस्कार
नामधेय न०संज्ञा नाम इस्म
नामन् न०संज्ञा नाम इस्म
नायक त्रि० नेता लेजानेवाला
प्रभु स्वामी मणि सेनापति
नायिका स्त्री० प्रेम में भरी हुई
युवती स्त्री
नार पु०बालक पानी नरोंका समूह
नारक पु०नरक नरकको सामग्री
नारङ्ग पु०नारंगी । गाजर
नारद पु० जल्द बादल एक
फ़िसादी आदमी
नाराच न०बाण तीर हथियार
नारायण पु०विष्णु ईश्वर
नारिकेल पु० नारियल का
नाल न०कमलका डंडी
नाविक पु० मल्लाह केवट
नाव्य त्रि०नावसे उतारने के
नाश पु०अदर्शन न दे०
न मिलना पलायन
नासा स्त्री० नासिका नाक
नासीर न०आगे
सेना का मुख
नास्ति अ० अविद्यमानता न
नास्तिक त्रि० ईश्वर
वेदको न माननेवाला
नास्तिकता स्त्री०नास्तिक
रियापन
निःशेष त्रि०निखिल
निःश्रेयणी स्त्री०नसेनीसीढ़ी
निःश्रेणि णी स्त्री० काष्ठसी
सीढ़ी नसैनी
निःश्रेयस न०मुक्तिछुटकारा
निःश्वास पु०श्वास सांस
निःसत्व त्रि०निर्बल

निचोल पु॰-पलंगपोश डोलीका
पड़दा स्त्री पिधानपट बुर्का
दुपट्टा चादर [ अपना
निज त्रि॰ आत्मीय स्वाभाविक
निटल न॰माथा कपाल खोपड़ी
नितम्ब पु॰चूतड़ कमर
नितराम् अ॰सुतराम् सदा अति-
शय विशेष
नितान्त न॰एकान्त बहुतही बिल्कुल
नित्य त्रि॰तीनोंकाल में एकरस
वाला सदा हमेशा
नित्यकर्म न॰सन्ध्यावन्दन
नित्यदा अ॰सातत्य सदा हमेशा
नित्यमुक्त पु॰ सदा छूटा हुआ
बन्धन रहित परमात्मा
निदर्शन न॰उदाहरणमिसालदृष्टांत
निदाघ पु॰उष्ण ,घर्म गर्म गर्मी
का वक्त
निदाघकर पु॰सूर्य सूरज
निदान न॰ आदिकारण रोगका
कारण शुद्धि मकार [ रहना
निदिध्यासनन॰मननकरना मग्न
निर्देश पु॰ आज्ञा शासन हुक्म
कहना निकट शासन
निद्रा स्त्री॰ शयन सोना नींद

निधन न॰ मृत्यु मौत मरना
निधान न॰ निधि खजाना
निधि पु॰ कोश खजाना
निधीश पु॰कोषाध्यक्ष खजा॰
कोशका स्वामी
निन-नाद पु॰ ध्वनि . .
निन्दा स्त्री॰ अपवाद गर्हा॰
बदनामी [
निपत्या स्त्री॰ युद्धभूमि लड़
निपात पु॰ अन्तिम गिरना॰
व्याकरण में 'च' आदि
निपान न॰ प्याऊ तालाब
निपीडित त्रि॰दबायाहुआ
निपुण त्रि॰ चतुर दक्ष
निबन्ध पु॰ प्रतिज्ञा ग्रन्थ॰
बन्धन
निभृत त्रि॰ धृत धो शिक्षित
निश्चल गुप्त निर्धन
निमज्जथु पु॰
निमज्जन न॰अवगाह स्नान
घुसकर नहाना
निमन्त्रण न॰श्रद्धापूर्वक भोज
बुलाना आह्वान बुलावा
निमित्त न॰ कारण सार
निमित्तकारण न॰ घटके
कुम्भकार निमित्त कारण

निरुक्ति स्त्री० निर्वचन किसीशब्द के विषयमें पूरा २ कहना
निरूढ त्रि० अविवाहित विनाब्याहा
निरूढि स्त्री० प्रसिद्ध मशहूरी
निरूपण न० विचार निदर्शन दृष्टान्त
निरूपित त्रि० नियुक्त किसीकाम में लगाया गया रचा गया
निरोध पु० नाश तबाही रुकावट
निरोधन न० कारागार जेलखाना बन्दकरना
निर्गुण पु० जो जिसमें गुण न हो वह उससे निर्गुण है
निर्घृण त्रि० निर्दयी बेरहम.
निर्घोष पु० शब्दमात्र हर तरहकी आवाज़.
निर्जन त्रि० विजन एकान्त तनहाई
निर्जर पु० जो बुढ़ापा न हो बुढ़ापा रहित
निर्झर पु० प्रवाह झरना स्रोत
निर्णय पु० निश्चय यकीन ज्ञान सन्देह [ शोधित
निर्णिक्त त्रि० साफ किया हुआ
निर्णेजक पु० रजक धोबी
निर्दिष्ट त्रि० उपदिष्ट बतलायागया कथित [ हुक्म
निर्देश पु० शासन सिखाना आज्ञा

निर्धन पु० धनरहित
निर्धारण न० भिन्न द्वारा मनुष्योंमें क्षत्रियशूरहैं
निर्धारित त्रि० इतना
निर्द्वन्द्व त्रि० सर्वप्रकारके से निकलाहुआ हुआ
निर्बन्ध पु० आग्रह हठ
निर्बाध त्रि० सुखपूर्वक
निर्भय पु० अवद्याधीश
निर्भर न० जहां सब बोझ मात्र निहायत [
निर्मक्षिक अ० मक्खीका
निर्मल त्रि० सुन्दर साफ कोई ऐब न हो
निर्यातन न० वैरशुद्धि देना लौटकर देना।
निर्यास पु० गोंद वृक्षका
निर्वचन न० निरुक्ति अर्थका
निर्वाण न० नाश सुख छुटकारा
निर्वीर पु० लोकापवाद
निर्वापण न० मारना देना
निर्वासन न० देशा
निर्वाह पु० कार्यसमाप्त जीविका गुज़ारा

…र पु० जन्ममरणसे रहित
…र
…ा स्त्री० क्रियाविशे [मौन
… स्त्री० सुख सुस्थिति मुक्ति
…वि० निश्चल पूराकियाहुआ
… पु० अनुताप पिराग उदा-
…सीनता
…ा पु० …ोग वेतन, मजदूरी
…कन विवाह। शादि
…द त्रि० स्थक छोड़ाहुआपूर्ण
…ज पुरोहित लेजाना व्याह
…का लेजाना
… पु० उत्साहका उद्यम
…र्य में लगाना हाथ को
…ट लेजाना
… पु० शब्द आवाज़
… पु० निवासस्थान रहनेकी
…जगह घर [करे रोककर
… न० पवनका नियमपाणों
… न० इद्रानादिविषयोंसभूमि
… न० मारण मारना
…ति स्त्री० निवास गृह घर
…प पु० ग्राम गांव
…न न० घर वस्त्र कपड़ा
… पु० समुद्र … शिरोज़

निवात पु० वायु रहित स्थान
आश्रय आसरा
निवास पु० घर आश्रय[छेकरहित
निविड त्रि० सान्द्र घना मोटा
निर्यात न० गलेमें लटकाहुआजनेऊ
निवृत्त न० निषेध निवृत्तहुआ
निवृत्त स्त्री० उपरम विरति हटना
निवृत्ति स्त्री० उपरम विरति हटना
निवेदन न० सम्मानपूर्वक ज्ञापन
दरख्वास्त
निवेश पु० विन्यास घरना शिविर
छावनी विवाह शादी स्थान
निवेशन न० घरप्रवेश स्वीकारहोना
निश-शा स्त्री० रात्रि रात
निशाकर पु० चन्द्र चन्द्रमा चांद
निशाचर पु० रात को चलनेवाला
चोर डाकू उल्लू चकवा
निशित त्रि० तेजित तीक्ष्णीकृत
पैना कियागया
निशान न० तीक्ष्ण तेज पैना
निशान्त न० गृह वस्तुतयान्त
निशापति पु० चन्द्रमा चांद
निशीथ पु० आधीरात अर्धरात्रि
निश्चय पु० निर्णय फैसला पक्कीन
पक्का

पट्ट न० नगर मुल्क चतुष्पथ चौराहा
पट्टदेवी स्त्री० पटरानी राजमहिषी
पत्तन न० प्रधाननगर राजधानी
पण पु० पैसा मूल्य कीमत
ताम्र तामा भृति मजदूरी द्यूत
जुआ ग्लह दांव नियम व्यवहार
पणन न० विक्रय बेचना
पणव पु० स्त्री पटह ढोल
पणाया स्त्री० व्यवहार देनलेन
पणितव्य त्रि० विक्रेतव्य खरीदने
योग्य स्तोतव्य तारीफकेयोग्य
पण्डित पु० तत्त्वज्ञ आलिम चतुर
दाना
पण्डितम्मन्य पु० अपने को पण्डित
मानने वाला घमण्डी
पण्यवीथी स्त्री० विक्रेयशाला
विपणि दुकान। हाट
पण्यस्त्री स्त्री० वेश्या रंडी
पण्याजीव पु० वणिग्जन व्या-
पारी बनिया
पतग पु० पक्षी विहङ्गम परिन्दह
पतङ्ग पु० शलभ सूर्य पक्षी
पतत् पु० पक्षी परिन्दह
पतत्र पु० पक्षियोंका पर-पक्ष
पतत्रि पु० पक्षी परिन्दह

पताका स्त्री० झण्डी ध्वज
पति पु० स्वामी मालिक
पतित त्रि० नीच अपने
गिरा हुआ
पतिंवरा स्त्री० वह कन्या
आप पति को स्वं
पतिवत्नी स्त्री० सधवा
पतिव्रता स्त्री० सती पति
माननेवाली
पत्ति पु० पैदल चलने वा
पत्तीत्रि० पैदयिपिलेवि
पत्र न० वाहन सवारी चि
पत्राञ्जन न० मसी स्या
पत्रिन् पु० सवार पक्षी
पथ पु० मार्ग रास्ता
पथिक त्रि० रास्तागीर मु
पथिन् पु० मार्ग रास्ता
पथ्य त्रि० हितकारक
पद न० चौथा हिस्सा
पदग त्रि० पैदल पांव
पदवि-वी स्त्री० पद
पदाति पु० पैदल
पदार्थ पु० अभिधेय वस्
पदग पु० पैदल

द्धति-ती स्त्री० पगडण्डी पथ रास्ता पोथी
द्म न० कमल नाड़ीचक्र धातुसीसा
द्मबन्धु पु० सूर्य भ्रमर भौंरा
द्मराग न० लाल रत्नको एक प्रकार को मणि
द्मा स्त्री० लक्ष्मी लवंग लौंग
द्मासन न० कमलके फूलकी तरह बैठना
द्मिनी स्त्री० कमलोंका समूह बेल
द्य न० कविता छन्द श्लोकभाग
पनस पु० कटहर कटहल
पन्न वि० पतित, च्युत गिराहुआ
पन्नग पु० सर्प साँप
पन्नगाशन पु० गरुड़ मोर
पम्पा स्त्री० एक नदी
पयस् न० दुग्ध दूध जल पानी
पयस्विनी स्त्री० दूध वाली धेनु गौ
पयोधर पु० स्तन थन मेघ बादल
पयोधि पु० समुद्र सागर समुन्दर
पयोव्रत न० केवल दूध पीकर निर्वाह करना
पर वि० भिन्न और श्रेष्ठ अन्य शत्रु
परःशत न० सौसे अधिक संख्या
परश्वस् अ० आगेके दिनसे परला दिन परसों

परःसहस्र न० एक हजारसे ऊपर की संख्या
परकीय वि० दूसरेका अन्यकाकी
परच्छन्द पु० पराधीन विवश
परजात वि० दूसरेसे पैदा हुआ अन्य से पाला गया
परतन्त्र वि० पराधीन बेबस
परपिण्डाद वि० दूसरे के अन्नको खाने वाला
परभाग पु० बहुत बड़ाई अच्छा हिस्सा दूसरे का हिस्सा
परम् अ० विशेषतः केवल अनन्तर
परम वि० उत्कृष्ट प्रधान बड़ा प्रथम श्रेष्ठ | बहुत
परमम् अ० अनुज्ञा हुक्म स्वीकार
परमर्षि पु० श्रेष्ठमुनि महर्षि नारद
परमहंस पु० संन्यासी महात्मा
परमाणु पु० छोटे धूलि का अति सूक्ष्म अंश जो झरोखोंमें सूर्य किरणों से विदित होता है
परमात्मन् अ० परब्रह्म ईश्वर प्रभु
परमान्न न० खीर दूध में पका हुआ अन्न
परमेश्वर पु० जगत् की उत्पत्ति स्थिति और प्रलय कर्ता चक्रवर्ती राजा

पीत न० पानपीनाहरितालपीलारंग
पीतक न० कुङ्कुम केसर हरिताल पीतल
पीतवासस् पु० पीलेवस्त्रोंवाला
पीन त्रि० स्थूल मोटा वृद्ध पूर्ण
पीनस पु० नासिका का रोग जुकाम खांसी
पीयूष न० अमृत सुधा दूध
पीलु पु० परमाणु हाथी [ वायु
पीवन त्रि० मोटा स्थूल बलवान्
पीवर त्रि० स्थूल मोटा तरुणी मो
पुंलिङ्ग न० पुरुषका चिह्न एक प्रकारका अंग [illegible]
पुंश्चली स्त्री० व्यभिचारिणी बदमाश औरत
पुंसवन न० द्विजोंका संस्कार जिस से पुत्र हो
पुंस्त्व न० पुरुषत्व मनुष्यका [illegible] | पूरा
[illegible] पु० [illegible] नीरकासिरा
[illegible] पु० [illegible] उत्तम
[illegible] न० [illegible] का हिस्सा
[illegible] पु० [illegible] समूह ढेर
[illegible] न० [illegible] दोना
[illegible]

पुटिका स्त्री० एला [illegible]
पुटित त्रि० ग्रथित सीया हुआ
पुण्डरीक पु० सफेद कमल
पुण्ड्र पु० एक प्रकारका पौंडा
पुण्य न० धर्म। अच्छा [illegible]
पुण्यजन पु० [illegible]
पुण्यभूमी स्त्री० [illegible] आर्यावर्त। [illegible]
पुत्तलिका स्त्री० पुतली [illegible]
पुत्र पु० तनय बालक लड़का
पुत्रक पु० बेटा। [illegible] कृत्रिमपुत्र [illegible]
पुत्रिका [illegible] पु० [illegible] पेपता [illegible]
पुत्रेष्टि स्त्री० [illegible]
पुनःपुनर् अ० [illegible]
पुनःसंस्कार पु० [illegible] अनेक [illegible]
पुनर् अ० [illegible]
पुनर्भव पु० [illegible]
[illegible]

ःर वि॰ आगेजानेवाला अग्न्य
ःपर। अग्रेसर। नगर। शहर
री॰ नगरी। शहर
ःष पु॰ शोच। कड़। सोत
ःस् अ॰ आगे से। सामने से
ः पु॰ इन्द्र। किसको ओर
कार्य निषेध [स्त्री
क्रियाकी। मोक्षधुन्धुविनती
ःत अ॰ आगे पहिले समय में
ःकृत पु॰ आगे करना। पूजन
मान। [क्रिया गया
ःकृत वि॰ पूजा गया अगले-
ःतात अ॰ आगेसे। सामने से
अ॰ पहिले समय। पश्च
ःन वि॰ जिस पुस्तकमें प्रा-
चीन वृत्त हो
ःतन वि॰ पुराना। पहिलेका
ःवृत्त न॰ प्राचीन समाचार
न॰ विद्या। मत। न।
ःरदार पु॰ दीदर। उद्योग
ःसिंह पु॰ पुरुषोंमें श्रेष्ठ।
सज्जन नर
ःार्थ पु॰ उद्योग। धर्म अर्थ
काम मोक्ष
ःत्तम पु॰ उत्तमजन श्रेष्ठनर

पुरोग वि॰ अगवानी आगे जाने वाला
पुरोडाश पु॰ यज्ञका द्रव्य। चरु
पुरोधस् पु॰ पुरोहित। गुरु
पुरोहित पु॰ आगे किया हुआ। हितचाहने वाला
पुलक पु॰ रोमांच। अंगूठा
पुलस्त पु॰ उदरी। धान। धान्य
पुलाक पु॰ सखे। धान्यशून्य अन्नाधिक्य
पुलिन न॰ पानीसे निकला किनारा टापू जज़ीरा।
पुष्ट वि॰ पालाहुआ परवरिश किया हुआ।
पुष्कर न॰ पानी। निशान कमल
पुष्कल वि॰ श्रेष्ठ। नेक। पर्याप्त काफी
पुष्टि स्त्री॰ पोषण। पालन पड़ना
पुष्प न॰ कुसुम। फूल नेत्ररोग
पुष्पमास पु॰ बहुत फूलोंवाला महीना चैत्र। [कुसुमनिर्यास
पुष्परस पु॰ फूलोंका रस।
पुष्पलिह् पु॰ भ्रमर भौंरा।
पुस्त न॰ पलस्तर। चित्रकारी किताब

प्रतिभू पु॰पच्ची लग्नक ज़ामिन
प्रतिमा स्त्री॰सदृशीकरणतसवीर फोटो [प्रतिमा
प्रतिमान न॰ प्रतिबिम्ब परछाहीं
प्रतिमुक्त त्रि॰परिहित पहिरागया छोड़ा हुआ बांधा गया लगाया गया
प्रतियत्न पु॰ वाञ्छाइच्छाउपग्रह निग्रह रोकना संस्कार लेना मेहनत [जैसी पीड़ा
प्रतियातनास्त्री॰प्रतिमातसवीरपत्र
प्रतिरूप न॰प्रतिच्छाया प्रतिबिम्ब तसवीर चित्र
प्रतिविरोध पु॰ [illegible] प्रतिबन्ध विरुद्ध निरोध तिरस्कार चोरी
प्रतिलोम त्रि॰ वाम विरुद्ध उलटा
प्रतिलोमज त्रि॰वर्णसंकर दोगला
प्रतिवचन न॰ उत्तर जवाब
प्रतिवासिन् पु॰ स्त्री॰ पड़ोसी [illegible]
प्रतिवासिन् पु॰ स्त्री॰ पास रहने वाला [illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्रतिश्रय [illegible]
[illegible] इकरार
प्रतिषेध पु॰निषेध [illegible]
प्रतिष्टम्भ पु॰ [illegible]
प्रतिष्ठा स्त्री॰पृथिवी [illegible]
प्रतिसर पु॰सेना [illegible] हस्तसूत्र
प्रतिसर्ग पु॰ विसर्ग [illegible]
प्रतिसीरा स्त्री॰ [illegible] पर्दा
प्रतिहत त्रि॰ [illegible] गया उलट [illegible]
प्रतीहार पु॰ द्वार [illegible] दरवाजा
प्रतीक पु॰ अवयव [illegible] प्रतिरूप।
प्रतीक्षा स्त्री॰ भरोसा [illegible]
प्रतीच्य त्रि॰ पूर्व [illegible] आयत
प्रतीत त्रि॰ ख्यात [illegible]
प्रतीति स्त्री॰ ज्ञान [illegible] आदर हर्ष
प्रतीप त्रि॰ प्रतिकूल [illegible]
प्रतीर न॰ किनारा [illegible]

द पु० कशा कोड़ा चाबुक
ली स्त्री० रथ्या गली कूचा
न वि० पुरातन पुराना।
क्ष म०इन्द्रियजन्यज्ञान इन्द्रि-
योंकी मालूमात।
क्ष वि० आगे हुआ यथार्थ
क्ष् वि० पश्चिमकाल पिछला
समय अनोखी
नीक पु०जिसका सेना विरुद्ध
हो विघ्न रोक।
भियोग पु० उलटा मुकद्दमा
भिवाद पु० उलट कर प्रणाम
करना आशीर्वचन [विश्वास
यय पु० शपथ सौगन्द् कसम
यित वि० यथार्थ कहनेवाला
विश्वासी [मुद्रालय
र्थिन वि० शत्रु दुश्मन।
र्पण म० प्रतिदान फिरदेना।
लौटाना।
वसान म० भोजन खाना।
वसित वि० भोजनहुआ खाया
हुआ।
पाय पु० पापरोपगुनाहदंड
ख्यात वि० निराकृत बाहर
किया गया।
प्रत्याख्यान म० निराकरण इनकार
प्रत्यादिष्ट वि० निरस्त निकाल
दियागया हटाया दिया गया
प्रत्यादेश पु०निराकरण निकालना
हुक्म। [बहुत नजदीक
प्रत्यासन्न वि० अतिनिकटस्थ
प्रत्याहार पु० पीछे खींचना हटा
देना अण् आदि। [जवाब
प्रत्युत्तर म० उत्तर का उत्तर
प्रत्युत्थान म०अभ्युत्थान आयेहुये
को आदरसे उठकर लेना।
प्रत्युत्पन्नमति वि०जिसकी बुद्धि
समय पर फुरती हो। [सुबह
प्रत्यूष पु० प्रभात सबेरा दिन का
प्रत्यूह पु० विघ्न रुकावट रोक।
प्रथम वि०प्रधान बड़ा,आद्य,पहिला
प्रथिमन् पु०स्थूलत्वमोटाईमोटापन
प्रदर पु० विदारण फाड़ना एक
प्रकार का योनि का रोग।
प्रदीप पु० दीपक दिया लैम्प।
प्रदीपन पु० पेटकी अग्निको भड़-
काने वाला चमकाने वाला।
प्रदेश पु० एक देश मुल्क भित्ति
दीवार [जौ का पुन

प्रद्रव पु० पलायन भागना।
प्रधन न० युद्ध लड़ाई जंग।
प्रधान त्रि०श्रेष्ठ,बहुतअच्छामालिक
प्रधि पु०रथकीनाभि,पहिया धुरा
प्रपंच पु० कैतव प्रतारण ठगना.
प्रपथ्या स्त्री० हरीतकी हरड़।
प्रपद न० पांवके आगे का भाग।
प्रपन्न त्रि०शरणागतशरणमेंआया
प्रपात पु० जिस से बहुत गिरता
है झनो। [ पिता
प्रपितामह पु० परदादा बाबा का
प्रपौत्र पु० पौत्रकापुत्र पोतेकापुत्र
प्रफुल्ल त्रि०खिलाहुआविकाशयुक्त
प्रबन्ध पु० सन्दर्भ ग्रन्थ आदिकी
रचना बन्दोबस्त।
प्रबाल न० नव पल्लव नया पत्ता
प्रबोध पु० अच्छी समझ जागना
प्रबोधन न०जागना होश में आना
प्रबोधिनी स्त्री० बोधकराने वाली
प्रभञ्जन पु० वायु हवा
प्रभद्र पु० नीम का वृक्ष.
प्रभव पु० पराक्रम बल जन्म
प्रभा स्त्री० दीप्ति चमक रोशनी
प्रभाकर पु० सूर्य सूरज
प्रभात न० प्रातःकाल सुबह

प्रभाव पु० तेज [illegible]
प्रभु पु० स्वामी, [illegible]
प्रभूत त्रि० बहुत
प्रभृति अ० [illegible]
प्रमथन न० वध मारना
[illegible] पहुंचाना विलोडन [illegible]
प्रमदा स्त्री० [illegible]
प्रमनस् त्रि० [illegible]

प्रमाण [illegible]
प्रमातामह पु० नाना
प्रमाद पु० [illegible]
प्रमापण न० मारण मारना
प्रमिति स्त्री० प्रमा यथार्थज्ञान
प्रमीला स्त्री० [illegible]
प्रमुदित त्रि० हृष्ट
प्रमेह पु० एकरोग
प्रमोद पु० हर्ष खुशी।
प्रयत त्रि० पवित्र
प्रयत्न पु० बहुत कोशिश
प्रयाग पु० जिसमें [illegible]
होता है इलाहाबाद
प्रयास पु० प्रयत्न
प्रयुत न० दशलाख
प्रयोजक त्रि० प्रयोग करने
उत्तमर्ण कर्जा देनेवाला

। पु॰ लगाना मुकर्रर करना
स्तेमाल [ लगाने द्वारा
क वि॰ हेतु नामांकर्ता।
न न॰ मतलब काम उद्देश्य
व पु॰ बहुमलःपा बहुत लड़-
रता हुआ।
' पु॰ नाशाश्रयछिपनाकन्यागमन
। पु॰ चतुष्पथ । चौराहा
सु वि॰ जिसकी अधिक
अवस्था हो
पु॰सन्तान गोत्र श्रेष्ठ अच्छा
क वि॰ चलाने वाला काम में
उगाने वाला।
ना स्त्री॰ काम में लगाना।
' वि श्रेष्ठ नेक प्रधान सर्दार
ण न॰ डोली पालकी
ह पु॰ परम्परागतप्रवाह लगा-
तार चला आना [रहना
स पु॰ विदेश वास विदेश में
सन वि॰विदेशमें वास करना
मारना [ वाला।
सिन् वि॰ विदेशमें वासकरने
ह पु॰ प्रवृत्ति जल का प्रवाह।
हारण न॰ युद्ध लड़ाई अस्त्र
फाड़ना।

प्रवीण वि॰ निपुण चतुर समझदार
प्रवृत्ति स्त्री॰ प्रवाह वार्ता बात
प्रवृद्ध वि॰ वृद्धियुक्त बढ़ाहुआ प्रौढ़
प्रवेक वि॰ प्रधान श्रेष्ठ सर्दार बड़ा
प्रवेश पु॰ भीतर आना घुसना
प्रवेशन न॰ प्रवासद्वार बड़ादर्वाजा
प्रव्रजित वि॰ संन्यासी चतुर्थाश्रमी
प्रव्रज्या स्त्री॰ संन्यास
प्रशंसा स्त्री॰ स्तुति तारीफ
प्रशमन न॰ वध मारना [ लायक
प्रशस्त वि॰ प्रशंसनीय तारीफके
प्रश्न पु॰ सवाल जिज्ञासा कथन
प्रश्रय पु॰ प्रणय स्नेह मुहब्बत।
प्रश्रित वि॰ विनीत शिक्षित नम्र
प्रष्ठ वि॰ आगेआनेवाला बहुतअच्छा
प्रसक्त वि॰ लगाहुआ तत्पर मशगूल
प्रसक्ति स्त्री॰ प्रसङ्ग लगना मशगूली
प्रसङ्ग पु॰ आपत्ति मेला मजमून
मैथुन
प्रसन्न वि॰ निर्मल साफ खुश
प्रसत्ति स्त्री॰ नैर्मल्य प्रसन्नता
सफाई।
प्रसन्नता स्त्री॰ प्रसाद खुश होना
प्रसभ न॰ बलात्कार जबरदस्ती
प्रसर पु॰ प्रभव उत्पत्ति वेग
समूह युद्ध।

प्रायश्चित्त न० दुःख द्वन्द्वको सहते हुये चित्तको वशमें रखना
प्रायश्चित्तिन् त्रि० प्रायश्चित्तकरने योग्य
प्रायस् अ० बाहुल्य बहुतायत
प्रायोपविष्ट त्रि० कुछ न खाकर मरने के लिये बैठगया
प्रायोपवेश पु० भोजन के बिना मरने को बैठना
प्रारब्ध न० प्रारम्भ किया हुआ शुरू किया हुआ
प्रार्थना स्त्री० याचना मांगना
प्रार्थित त्रि० याचित मांगागया
प्रावरण न० उत्तरीयवस्त्र दुपट्टा
प्रावृष् स्त्री० वर्षाकाल[illegible]
प्रावृषेण्य त्रि० वर्षामें होनेवाला
प्राश्निक त्रि० पूछनेवाला सवाल करनेवाला
प्रास पु० कुन्त भाला
प्रासाद पु० राजभवन महल कोठा
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्रियंवद त्रि० मीठा [illegible]
प्रियतम त्रि० अतिप्रिय
प्रियता स्त्री० स्नेह प्यार
प्रियदर्शन त्रि० सुन्दर
प्रीणन न० [illegible]
प्रीत त्रि० हृष्ट प्रसन्न हुआ
प्रीति स्त्री० [illegible]
प्रुष्ट त्रि० दग्ध जला हुआ
प्रेक्षा स्त्री० चर्चा सोचना
प्रेक्षावत् त्रि० सोचकर [illegible] वाला
प्रेत पु० मृत मरा हुआ
प्रेतगृह न० श्मशान मरघट
प्रेत्य अ० लोकान्तर[illegible]
प्रेमन् पु० स्नेह प्यार[illegible]
प्रेयस् त्रि० अतिशय प्यारा
प्रेषण न० भेजना
प्रेष्ठ त्रि० बहुत प्रिय
प्रोक्षण न० [illegible]
प्रोज्झित त्रि० [illegible]
प्रोञ्छन न० मार्जन पोंछना
प्रोत त्रि० पिरोया हुआ
प्रोषित त्रि० परदेशी [illegible]

र्तृका स्त्री॰ जिस स्त्रीका
पति परदेश में गया हो।
॰ अधम उत्तोना चमार
॰ पाकड़नामीवृक्ष पीपल
॰ प्लुवन उछलना तरना कूदना
त वि॰ गीला किया गया
नहाया गया
त न॰ फूत्कार चलना तीन मात्रा
वाला अक्षर
ष्ट वि॰ दग्ध जलाहुआ
ष पु॰ दाह जलाना जलन
सान वि॰ भक्षित खायागया

(फ)

फक्किका स्त्री॰ असद्व्यवहार तत्त्व
निर्णय करनेका लिये पूर्वपक्ष
फट पु॰ सांपका फण
फल न॰ लाभ नतीजा वृक्षकाफल
फलद वि॰ फलकादेनेवाला कामपूरक
फलप्रेप्सु वि॰ अच्छे फलवालाआम
फलिन वि॰ फलवाला [मुनि
फलेग्रहि पु॰ फलोंको खानेवाला
फलोदय पु॰ फलप्राप्ति लाभ हर्ष
फल्गु वि॰ मनोहर निरर्थक
फाणि पु॰ गुड़विकार चीटा
फाणित न॰ पंजी कच्चीखांड

फाण्ट न॰ अनायासकृत आराम
से बनायागया
फाल न॰ फलके लिये हितकारी
हलमें लगा हुआ लोहा
फाल्गुन पु॰ फागनका महीना
फुट वि॰ फटगया फूटगया
फुल्ल वि॰ विकसित खिला हुआ
फेण न॰ झाग फसूकर
फेनिल त्रि॰ झागदार
फेरु पु॰ शृगाल गीदड़

(ब)

बढिष्ठ वि॰ अतिशय बहुतही
बहीयस् वि॰ बहुतही बहुल
बड़वा स्त्री॰ घोड़ी घोड़का
बड़वाग्नि पु॰ समुद्रकी आग
ज्वार भाटा
बणिक्पथ पु॰ बनियाका रास्ता
व्यापार हाट बाजार
बणिग्भाव पु॰ वाणिज्य व्यापार
बणिक् पु॰ बनिया व्यापारी वैश्य
बद्धमुष्टि वि॰ कृपण सूम कंजूस
बद्धशिख वि॰ जिसकी चोटी बंधीहो
बध पु॰ मारण मारना कतल
बधिर वि॰ बहिरा न सुननेवाला
बध्य वि॰ मारनेके योग्य

भणिति स्त्री० कथन कहना
भण्ड पु० भांड
भद्र न० मङ्गल साधु भला
भय पु० डरना डर [ पाला
भयङ्कर वि० डरको पैदा करने
भयानक वि० भयंकर डरावना
भरण न० पोषण मजदूरी पोषण
 [illegible]
भर्ग पु० तेज प्रकाश रोशनी
भर्तृ पु० स्वामी मालिक
भर्त्सन न० झिड़कना घुड़की
भ[illegible] पु० [illegible] [ जगत्
भ[illegible] पु० [illegible] उत्पत्ति पैदाइश
भ[illegible] [illegible] [ समान
भ[illegible] [illegible] भाग जैसा भाग के
भ[illegible] स्त्री० [illegible]
भ[illegible] न० [illegible]
 [illegible]
 [illegible] पु० [illegible] होने वाला
 [illegible] पु० [illegible]
 [illegible] मनोहर सुन्दर [illegible]
 [illegible]
 [illegible]
 [illegible]

भागधेय न० भाग्य राजस्व [illegible]
 दायाद हिस्सेदार [illegible]
भागशस् अ० हिस्सेदार [illegible]
भागहर वि० अंशहारी [illegible]
भागिन् वि० भागदार [illegible]
भागिनेय पु० भगिनी व [illegible]
भागीरथी स्त्री० गङ्गानदी [illegible]
भाग्य न० शुभाशुभ [illegible]
भाङ्गीन न० भांग का [illegible]
भाजन न० पात्र आधार [illegible]
भाज्य वि० बांटने के [illegible]
भाण्ड न० आधार किवाड़ [illegible]
भाण्ड न० पात्र बर्तन [illegible]
भाद्रपद वि० भादों [illegible]
भादित्यस् पु० [illegible]
भामा स्त्री० स्त्री [illegible]
भानु पु० सूर्य किरण [illegible]
 स्वामी
भाम पु० क्रोध गुस्सा [illegible]
भामिनी स्त्री० [illegible]
 [illegible]
भार पु० बोझा [illegible]
भारवाह [illegible]
भारद्वाज पु० [illegible]
भारति पु० [illegible]
 [illegible]

भारक पु० बोझा उठानेवाला/बोझ
भार्या स्त्री० रक्षा पालन करनेके
भाल न० ललाट मस्तक माथा
भालू तु-क पु० भल्लूक रीछ
भाव पु० पदिष्ठत राग भावाय मतलब
भावक वि० भावका महात्मका
भावना स्त्री० ध्यान चिन्ता फिक
भावित वि०वासितसुवासितसुगन्धात
भाविनी स्त्री० स्त्री औरत
भावुक न० मङ्गल खुशी
भाषा स्त्री० वाक्य बोलना जबान
भाषित वि० कथित कहाहुआ
भाष्य न० टीका तिलक शरह
भास् स्त्री० दीप्ति रोशनी चमक
भास पु० दीप्ति चमक गीध मुर्गा
भासुर वि० दीप्तिशील चमकनेवाला
भास्कर पु० प्रभाकर सूर्य अग्नि
भास्वर वि० दीप्तियुक्त चमकने वाला
भास्वान् पु० सूर्य आकका पूरा
भिक्षा स्त्री० याचना मांगना भीख
भिक्षाक वि० भीख मांगनेवाला
भिक्षाशिन् वि० भीख मांगकर खानेवाला सन्यासी

भिक्षु पु० सन्यासी चतुर्थाश्रमी
भिक्षुक पु० स्त्री० संन्यासी भिखारी
भित्त न० खण्ड टुकड़ा हिस्सा
भित्ति स्त्री० भीत दीवार
भिदा स्त्री० विदारण फाड़ना
भिदुर वि० वज्र तोड़नेवाला
भिन्न वि० विदारित फाड़ागया जुदा कियागया
भिल्ल पु० जंगली जाति भील
भिषज् पु० वैद्य हकीम डाक्टर
भी स्त्री० भीति डर खौफ
भीति स्त्री० डर भय खौफ
भीम वि० डरावना खौफनाक भीमसेन , भयानक
भीमसेन पु० एक पाण्डव [illegible]
भीरु वि० भयशील डरपोक
भीरुक पु० शृगाल सियार श्याल
भीषण वि० भयानक डरावना
भीष्म पु० शान्तनुका पुत्र भयानक
भुक्त वि० भक्षित खाया गया
भुक्तसमुज्झित वि० भोजन करके छोड़ागया अन्न
भुग्न वि० झुकागया टेढ़ा
भुज पु० स्त्री० बाहु भुजा कर
भुजंग पु० सर्प सांप

भ्रान्त न० भ्रमण घूमना मिथ्या ज्ञानवाला [ घूमता
भ्रान्ति स्त्री० झूठी समझ भ्रमण
भ्रामक वि० घूमनेवाला धोखेबाज
भ्राष्ट्र न० भाड़
भ्रू स्त्री० भौं भौंह
भ्रूक्षेप पु० भौंहका चढ़ाना सङ्केत
भ्रूण पु० गर्भ । बच्चा ।
भ्रूणघ्न वि०गर्भकानाशकरनेवाला

(म)

मकर पु० मगरमच्छ. दसवीं राशि
मकरन्द पु० पुष्पमधु, फूलकारस
मुकुट न० शिरोभूषण मुकुट ताज
मकुर पु० शीशा । दर्पण
मक्षि-क्षी-का स्त्री० मक्खी
मख पु० यज्ञ । पर्व । क्रतु
मघवन् पु० इन्द्र । सूर्य
मघा स्त्री० सत्ताईसों में दसवाँ नक्षत्र
मङ्कुर पु० दर्पण । शीशा आइना
मङ्क्षु अ० शीघ्र । सत्य । जल्द
मङ्गल पु० कल्याण । मंगलवार दिन
मङ्गलवाद्य पु० विवाह की बधाई के बाजों की गड़गड़
मङ्गलकर वि० कल्याणकारी देनेवाला
[illegible]

मज्जा स्त्री० अस्थिसार हड्डी का सार
मञ्च पु० ऊंचा आसन मचान
मञ्जरि-री स्त्री० बाल बौर
मञ्जिष्ठा स्त्री० मजीठ । एक [illegible]
मञ्जीर न० नूपुर झांझर [illegible]
मञ्जु वि० मनोहर सुंदर [illegible]
मञ्जुल वि० मनोहर खूबसूरत
मञ्जूषा स्त्री० सन्दूकची पेटा
मञ्ची स्त्री पताका [illegible]
मठ पु० छात्रालय पाठशाला
मणि णी पु० स्त्री० रत्न जवाहर
मणिबन्ध पु० हाथका पहुंचा
मणिबीज पु० दाड़िम अनार
मणिव अ० मणि के समान
मण्ड पु० चावलों का मांड
मण्डन पु० अलंकार जेवर
मण्डप पु० न० [illegible]
मण्डल न० घेरा जिला गोला
मण्डलाधीश पु० [illegible]
मण्डित वि० भूषित सजा हुआ
मण्डूक पु० मेंढक
मण्डूर न० लोहेका मैल
मत वि० [illegible]

मधूच्छिष्ट न० छत्ता मोम
मध्य त्रि० अन्तराल बीच
मध्यगन्ध पु० आम्र आमका पेड़
मध्यतस् अ० बीच बीचसे
मध्यदेश पु०बीचकाभाग बीचका
मुल्क एक देश
मध्यन्दिन न० मध्याह्न दुपहर
मध्यम त्रि० मध्यम बीचका
मध्यमलोक पु० पृथिवी भूमि
मध्यमसाहस पु० विना विचारे
कार्य करडालना बलपूर्वक
कार्य करना
मध्यमाहरण न० बीजगणितमें
प्रसिद्ध अव्यक्त मानके नापने
वाली गणना
मध्यरात्र पु० निशीथ अर्धरात्र
आधीरात [ उदासीन
मध्यवर्त्तिन् त्रि०बीचमें रहनेवाला
मध्याह्न पु०बीचका समय दुपहर
मध्वासव पु०फूलआदिका अर्क
मनस् न० चित्त दिल मन
मनसिज पु०मनमें उपजा कामदेव
मनस्ताप पु० मनकी पीड़ा पीड़ा
मनका तपना
मनस्विन्त्रि०परिष्कृतविचारयोल

मनाक् अ० ईषद्
मनित त्रि० ज्ञात जानाहुआ
मनीषा स्त्री० बुद्धि मति
मनीषिन् त्रि
मनु पु० धर्मशास्त्र
एक मुनि
मनुष्य पु० मनुकी
आदमी
मनोजव त्रि
वेग हो बड़े वेगवाला
मनोज्ञ त्रि० सुन्दर
हरनेवाला दिलचस्प
मनोभव पु० मनोज कामदेव
मनोरथ पु० इच्छा अभिलाषा
मनोरम
मनोहर त्रि० सुंदर
मन्तु पु०
मन्त्र पु० सलाह
मन्त्रदाता
गुरु सलाह देनेवाला
मन्त्रिन् पु० स्त्री० वजीर
मन्थ पु० रई बिलोना फिरना
मन्थज न० नवनीत मक्खन
मन्थन पु० रई

ग पु० बड़ा गज बड़ा हाथी
त्व ०बड़ापन बड़ाईवाली
त्त्व ०बड़प्पन, प्रतिष्ठा,प्रकृत
पदार्थ की रेखा, सांख्य
मतानुसार, परिवर्तित
राज पु० राजाओं का राजा
बड़ा राजा
नौमि स्त्री० 'अष्टमी'वत पद की
आद उसका नाम है
नद पु० नदीका देव
डील पु० बड़ाडील गुणीधारि
मान पु० बड़ामान्य मनुष्य
र्घ वि० बहुत मूल्यवाला श्रेष्ठ
र्णव पु० बड़ा समुद्र
लक्ष्मी स्त्री० बड़ी लक्ष्मी
वराह पु० बड़ा सूअर
वट पु० वटवृक्ष
वाक्य न० बड़ा वाक्य
विद्या स्त्री० बड़ी विद्या
[illegible]
वीर पु० बड़ा बहादुर हनुमान्
वीर्य पु० बहुत बलवाला
सांधि पु० बड़ी सांधारी
महादेव
त्र न० बड़ा व्रत

महाशय न० बड़ा भाव बड़ा आशय
महाशन न० बहुतान बड़ाविषय
महासार वि० बड़ा पूर्ण तत्वयुक्त
महाशय वि० बड़े आशय वाला
महानुभाव दिलावर
महासमुद्र पु० बड़ासमुद्र एकार्णव
महास्थान न० बड़ा दरबार
महासेन पु० बड़ी सेनावाला स्वामी
मही-ही स्त्री० पृथ्वी भूमि
महिला स्त्री० शिव पत्नी
महिमन् पु० महत्व बड़ाई
महिष पु० भैंसा
महिषी स्त्री० पटरानी भैंस
महिषासुर पु० एक दैत्य
महीक्षित् पु० नृप राजा
महीज वि० पृथ्वी से उत्पन्न
महीध्र पु० पर्वत पहाड़ [समुद्र
महीप्राचीर पु० पृथ्वीका घेरा
महीभृत् पु० राजा पर्वत
महीयस् वि० बहुत बड़ा
महीयमान वि० पूज्य पूजाकेयोग्य
महीरुह पु० वृक्ष दरख्त
महेच्छ वि० महाशय साहब [प्रवीण
महेन्द्र पु० बहुऐश्वर्य वाला पक्ष
महेश पु० बड़ा स्वामी

मशक पु० मच्छर एक कीड़ा
मसि-सी स्त्री० स्याही लेखनद्रव्य
मसरा स्त्री० मसूरकी दाल
मसीधान न० दावात मसीपात्र
मसूरिका स्त्री० कुटनी चेचककी
बीमारी
मसृण त्रि० स्निग्ध चिकना नरम
मस्कर पु० वंश बांस [ संन्यासी
मस्करिन् पु० स्त्री० परिव्राट्-
मस्तक न० मस्तक माथा
मस्तिष्क न० दिमाग मगज
मस्तमूलकन० शिरोधरा गर्दनगला
मस्तु न० मट्ठा छाछ
मह पु० उत्सव हर्ष याग
महत् त्रि० विपुल बड़ा
महर्षि पु० उत्तम ऋषि बड़ा ऋषि
महस् न० तेज यज्ञ उत्सव
महाकाय त्रि० बड़े शरीरवाला
महाकाव्य न० बड़ा काव्य
महाकुल न० अच्छा कुल बड़ा
खानदान
महाग्रीव त्रि०बड़ी गर्दनवालाऊँट
महाङ्ग पु० बड़े शरीरवाला [ बड़
महाच्छाय पु० बड़ी छायावाला
महाजन पु० सज्जन पुरुष साधु
महातीक्ष्ण त्रि
महात्मन् त्रि० बड़े आशय
सज्जन
महादेव पु० परमेश्वर
महाद्रुम पु० पीपलका
महाधातु पु० बड़ा
महानदी स्त्री० बड़ी नदी
महानस न०
महानादपु०बड़ाशब्द
महानिद्रा स्त्री० बड़ी नींद
महानिशा स्त्री० बड़ी रात
दोपहर
महानुभाव पु० महाशय
महापथ पु० बड़ा मार्ग
बड़ी सड़क
महापातक न० बड़ापाप
महापुरुष पु०
महाप्रलय पु०सर्व
सर्वका नाश
महाप्रसादपु
महाफल पु० विल्व बेल
महाबलपु०बहुतबली
महाभारत पु०ग्रं०म०
महाभूत न०पृथिवी
आकाश
महामनस् त्रि० महाशय

पु० बड़ांशु पञ हाथी
प्० बड़ाश्रम बड़ीविसमभी
प्० सन्ध्या, अग्निहोत्र, माता पितादि की सेवा, अतिथि सत्कार, बलिवैश्वदेव
राज पु० राजाओं का राजा बड़ा राजा
रात्रि स्त्री० जिसमें सब लय हो जाय उसका नाम है
राष्ट्र पु० मरहटोंका देश
रोग पु० बड़ारोग मृगीआदि
रौरव पु० बड़ानरक बहुकष्ट
र्घ वि० बहुत मूल्यवाला तेज
र्णव पु० बड़ा समुद्र
लक्ष्मी स्त्री० बड़ी लक्ष्मी
हावराह पु० बड़ा सुअर
हावीर पु० पटगुरु
हावाक्य न० बड़ा वचन
हाविद्या स्त्री० बड़ी विद्या
हाशौचि पु० सुखरहित दुःखी
हाशूर पु० बड़ा बहादुर हनुमान्
हाधन पु० बहुत धनवाला
हाव्याधि पु० बड़ी बीमारी महारोग
हामत न० बड़ा मत

महाभय न० बड़ा भय बड़ा डर
महाव्रत न० बड़ाव्रत बड़ानियम
महाधूर्त त्रि० बड़ा धूर्त राजधतूरा
महाशय त्रि० बड़े आशय वाला महानुभाव दिलावर
महाशूद्र पु० बड़ाशूद्र एकजाति
महाश्मशान न० बड़ा मरघट
महासेन पु० बड़ी सेनाका स्वामी
महि-ही स्त्री० पृथिवी भूमि
महिका स्त्री हिम बर्फ
महिमन् पु० महत्व बड़ाई
महिष पु० भैंसा
महिषी स्त्री० पटरानी भैंस
महिषासुर पु० एक दैत्य
महीक्षित् पु० नृप राजा
महीज त्रि० पृथिवी से उत्पन्न
महीध्र पु० पर्वत पहाड़ [समुद्र
महीप्राचीर पु० पृथिवीका घेरा
महीभृत् पु० राजा पर्वत
महीयस् त्रि० बहुत बड़ा
महीयमान त्रि० पूज्य पूजा केयोग्य
महीरुह पु० वृक्ष दरख्त
महेच्छ त्रि० महाशय आदम [पर्वत
महेन्द्र पु० बहुत ऐश्वर्य वाला, प
महेश पु० बड़ा

महैला स्त्री० बड़ी इलाइची
महोक्ष पु० बड़ा बैल [ हर्ष
महोत्सव पु० बड़ा उत्सव महान्
महोत्साह त्रि०बहुत उद्यमी बड़ा-
हिम्मती
महोदधि पु० समुद्र सागर
महोदय त्रि० बहुत ऐश्वर्यवाला
महोन्नत त्रि० बहुत ऊंचा
महोरग पु० बड़ा सांप ।
मा अ० निषेध वारण माप
मांस न०आमिष गोश्त [की चर्बी
मांसज न० मांस से पैदा हुई देह
मांसल त्रि० बली स्थूल मोटा
मांससार पु० मेद चर्बी
मांसिक त्रि० कसाई मांसजीवी
मागध पु०श्वेतजीरा स्तुतिपाठक
भाट
माघ पु० माघका महीना माह
माङ्गल्य न० कल्याणकारी शुभ
माचिका स्त्री० मक्षिका मक्खी
माञ्जिष्ठ न० मजीठ से रंगा हुआ
माणव पु० छोटा नर बालक
माणवीन त्रि० बालकका बालक-
सम्बन्धी
माणव्य न० बालकों का समूह
माणिक्य न०लालरंगका
माणिबन्ध न० सैन्धव लवण
मातङ्ग पु० गज हाथी
मातापितरौ पु० माता पिता
मातरिश्वन् न० वायु हवा
माता स्त्री० जननी मा
मातामह पु० नाना
मातुल पु० मामा
मातृ त्रि०
मातृका स्त्री० उपमाता धाई
मातृबन्धु पु० [illegible]मा
मातृष्वसा स्त्री० मौसी
मातृष्वस्रेय पु०
मात्र न० समस्त कुल
मात्सर्य्य न० हसद डाह
माथ पु० मार्ग बाट रास्ता
माथुर त्रि० मथुरा का, के,
माद पु० दर्प अहङ्कार
मादक त्रि०
मादन न० लवङ्ग लौंग
मादृक्ष-श त्रि०मेरे
माध्यन्दिन न० मध्यदिनका
यजुर्वेदकी एकशाखा
माध्वीफल पु०

मासाम्निक त्रि० विनाश करनेवाला
माष पु० उड़द उर्द एकजीव
माषवर्धक पु० सुवर्णकार सुनार
माषीण न० जिस खेत में उर्द होते हों वह खेत
मास् पु० मास महीना चन्द्रमा
मास पु० चन्द्रमा महीना
मासन न० सोमराजीलता
मासर पु० भक्तमण्ड मांड
मासान्त पु० मासावसान महीने की समाप्ति
मासिक त्रि० महीनेका माहवार
मास्म अ० निवारणरोकना हटाना
माहाकुल त्रि० बड़े कुल में उपजा
माहात्म्य न० महिमा महत्वतारोफ
माहिष न० भैंसका दूध आदि सींग आदि
माहेय न० पृथिवी से उपजा
माहेश्वर त्रि० ईश्वर से मिला हुआ ज्ञान आदि
मित त्रि० परिमित मापा हुआ
मितद्रुम पु० गजइहायीपरिमितगामी
मितद्रु पु० सागर समुद्र
मितम्पच त्रि० कृपण कंजूस नाप-कर पकानेवाला [ प्रमाण
मिति स्त्री० ज्ञान नापना विक्षेप

मित्र न० पु० सखा ...
मित्रयु पु० मित्रवत्सल ... व्यापार
मिथस् अ० एकान्त ...
मिथिला स्त्री० न... नगर तिरहुत
मिथुन न० स्त्री पुरुष जोड़ा
मिथ्या अ० असत्य झूठ
मिथ्याभिशंसन न० ... लगाकर मने करना
मिथ्याभियोग पु० झूठा ...
मिथ्याभिशाप न० ... झूठा दोष ...
मिथ्यामति स्त्री० ...
मिश्र न० संयुक्त मिल... भेद
मिश्रकावण न० एक वन ...
मिष न० छल बहाना ...
मिषिका स्त्री० जटामांसी
मिष्ट त्रि० सिक्त मीठा
मिहिका स्त्री० नीहार
मिहिर पु० सूर्य वृद्ध ... पवन
मीढ त्रि० मूत्रित ...
मीढुष्टम पु० सूर्य सूरज

मुनि पु॰ ज्ञानी सत्पुरुष विचार शील

मुनीन्द्र पु॰ पुरुषोत्तम मुनि श्रेष्ठ

मुन्यन्न न॰ मुनिओंका अन्नसामादि

मुमुक्षु वि॰ मुक्तिकी इच्छा करने वाला यति

मुमूचान न॰ मेघ बादल

मुमूर्षु वि॰ आसन्नमृत्यु जो मरना चाहता हो

मुर न॰ वेष्टन घेरना [मुरली

मुरला स्त्री॰ नर्मदानदी बांसुरी

मुरलीधर पु॰ श्रीकृष्ण

मुषित वि॰ चोरी किया गया जिसका धनादि चोरी गयाहो

मुष्क पु॰ अण्डकोष तस्कर

मुष्कशून्य पु॰ रनवास का रख- वाला नपुंसक [मुष्का

मुष्टि पु॰ स्त्री॰ बन्धा हुआ हाथ

मुष्टामुष्टि अ॰ मुक्कामुक्की घूंसाघूंसी

मुष्टिन्धय पु॰ बालक बच्चा

मुष्टिबन्ध पु॰ संग्रह जमा करना

मुस्त पु॰ मुस्तक मोथा

मुहिर पु॰ मूर्ख बेवकूफ कामदेव

मुहुर् अ॰ बारबार हामा

मुहूर्त पु॰ न॰ कुछ समय दो

मूक वि॰ गूंगा

मूढ वि॰ मूर्ख जड़बालक बेवकू

मूर्च्छना स्त्री॰ बेहोशी गानेका प अंग

मूर्च्छा स्त्री॰ मोह बेहोशी

मूर्च्छाल वि॰ बेहोश बेसुध

मूर्च्छित वि॰ बेसुध बेहोश

मूर्त्ति स्त्री॰ देह शरीर वर्णकाठिन प्रतिमा

मूर्तिमत् वि॰ मूर्तिवाला स्वरूपवा

मूर्धज पु॰ केश बाल

मूर्धन्य वि॰ ष्टवर्णा जो मूर्धा से बोले जाते हों

मूर्धन् पु॰ मस्तक माथा [एक पे

मूर्वा स्त्री॰ अपनी नाम से प्रसिद

मूर्धाभिषिक्त पु॰ ... क को प्राप्त हुआ रा

मूल न॰ जड़ नक्ष

मूलक न॰ मूली

मूलप्रकृति स्त्री॰ सत्व रजतमगुण

मूलाधार पु॰ नाभि

मूलिन् पु॰ जिसक

मूषिकरथ पु॰ जो हो रथ गाड़ी

वर्णमूल न० घातका साधन जैसे १६
का ४, ६ का १ इत्यादि
वर्चस् न० रूप शुक्र तेज बल
वर्चस्विन् त्रि० तेजस्वी तेजवाला
वर्जन न० छोड़ना त्याग मारना
वर्ण न० ब्राह्मणादि शूद्रादि अक्षर पु०
वर्णकूपिका स्त्री० दावात
वर्णतूली स्त्री० लेखनी कलम
वर्णधर्म पु० न० ब्राह्मणादि का
कर्तव्य कर्म
वर्णसङ्कर पु० दोगला जार
वर्णाङ्का स्त्री० लेखनी कलम
वर्णिका स्त्री० लेखनी कलम
वर्णित त्रि० बहुत तारीफ किया गया
वर्णिन् पु० स्त्री० ब्रह्मचारी चित्रकार
वर्तक पु० बटेर पक्षी
वर्त्म न० पहिया आदिका लीक
वर्तनी स्त्री० [illegible] रास्ता मार्ग
वर्तमान पु० जो होरहा है वर्तमान
काल
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वर्षाभू त्रि० मेंडक [illegible]
वर्षामद पु० मयूर मोर
वर्षिष्ठ त्रि० अतिवृद्ध
वर्षुक त्रि० वर्षनेवाला
वर्षोपल पु० ओला पत्थर
वर्ष्मन् न० शरीर
बर्ह न० मयूरपिच्छ
बर्हिण पु० मयूर मोर
बर्हिष्केश पु० अग्नि [illegible]
बर्हिस् स्त्री० अग्नि आग [illegible]
बल न० सैन्य सेना
बलभद्र पु० [illegible]
बलय पु० न० कङ्कण कड़ा
[illegible]
बलाक पु० स्त्री० बगुला
बलाहक पु० मेघ बादल
वल्कल न० वृक्ष की छाल [illegible]
वल्गा स्त्री० लगाम
वल्गु पु० मन हर [illegible]
वल्मीक पु० [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वह्निकरी स्त्री० मामला
वह्निगर्भ पु० वंश बांस
वह्निनी स्त्री० जटामासी
वह्निभोग्य न० घृत घी
वह्निमित्र पु० वायु हवा
वह्निसख पु० वायु हवा
वह्य न० शकट गाड़ी
वा अ० विकल्प,वा,सादृश्य अथवा
वांशिक त्रि० बांस बजानेवाला
वाक् पु० कथन, कहना, वाणी
वाक्पति पु० वाणी का स्वामी
वाक्पथ पु० वाणी का विषय
वाक्पारुष्य न० कटु[illegible]
वाक्य न० पदों का समूह फिकरा
वागीश पु० वाणियों का स्वामी
सरस्वती
वागुरा स्त्री० पाश जाल
वागुरावृत्ति पु० व्याध शिकारी
वागुरिक त्रि० व्याध शिकारी
[illegible]
[illegible]
[illegible] स्त्री० वह कन्या जिसका
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वाग्मिन् त्रि० [illegible]
वाग्यत त्रि० मौनी
वाङ्मय त्रि० सरस्वती
वाचयम त्रि० मितभाषी
बोलने वाला
वाचक त्रि० कथक कहने
वाचन न० पढ़ना पढ़ाना
वाचनिक त्रि० [illegible]
वाचस्पति पु० वाग्मी
वाच्-चा स्त्री० वचन [illegible]
वाणी
वाचाट त्रि० कुत्सित
वाचिक त्रि० वाणी से कृत
वाचोयुक्ति स्त्री० [illegible]
[illegible]
वाच्य न० [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वान्त त्रि॰ उद्गीर्ण कै किया गया
वाप पु॰ वप्र आदि का बुनना
बीज आदि का बोना
वापि-पी स्त्री॰ बावड़ी
वापीह पु॰ चातक पपीहा
वाम न॰ मनोहर प्रतिकूल अधम
वामन त्रि॰ बोना वकुन नाटा नर
वामलूर पु॰ वाल्मीक बामी
वामलोचना स्त्री॰ सुंदरनेत्रवालीस्त्री
वामाचार पु॰ उल्टा काम करना
वामी स्त्री॰ घोड़ी शृगाली गदही
उष्ट्री
वामोरू स्त्री॰ सुन्दर जङ्घावालीस्त्री
वायवी स्त्री॰ उत्तर और पश्चिमके
बीच की दिशा
वायस त्रि॰ काक कौआ
वायसारातिपु॰ उल्लूकौओंका शत्रु
वायु पु॰ पवन हवा ब्यार
वायुभक्ष पु॰ हवाको खानेवाला सर्प
वायुवर्त्मन् न॰ आकाश आसमान
वायुवाह पु॰ धूम धुआं
वायुसख पु॰ हवाकादोस्त आग
वार् न॰ जल पानी वादर
वार पु॰ समूह अवसर द्वार क्षण
रविवार आदि क्रम
वारक त्रि॰ ... ...
वारण न॰ रोकना निषेध
वारंवारम् अ॰ बार २ ...
वारयोषा स्त्री॰ वेश्या रंडी
वारवाण पु॰ न॰ कवच
वाराम्निधि पु॰ समुद्र
वाराणसी स्त्री॰ काशी ...
वाराही स्त्री॰ सुअरी सु...
वारि न॰ जल पानी
वारिचर पु॰ ... ...
वारिज न॰ पद्म कमल
वारित्र न॰ छत्र छाता
वारिद् न॰ मघ बादल
वारिधि पु॰ समुद्र सागर
वारिमसि पु॰ मेघ बादल
वारिराशि पु॰ समुद्र सा...
वारिरुह न॰ पद्म कमल
वारिवाह पु॰ मेघ बादल
वारीश पु॰ समुद्र सागर
वारुण न॰ जल पानी
वार्त न॰ आरोग्य तन्दुरुस्त
वार्ताक पु॰ बैंगन भाटा
वार्द्धक्य न॰ बुढ़ापा जईफ
वार्धि पु॰ समुद्र सागर

विजनन न० गर्भमोचन प्रसव
विजय पु० जय जीत
विजया स्त्री० भंग भांग
विजातीय वि० दूसरी जातवाला
विजिगीषा स्त्री० जीतनेकी इच्छा
विजृम्भण न० फैलाना जमुहाई
विजृम्भित वि० विकसित चमक
विज्ञ वि० चतुर प्रवीण
विज्ञात वि० ख्यात मशहूर
विज्ञान न० ज्ञान जानना [ दार
विज्ञानिक वि० विज्ञानयुक्त समझ
विट पु० लुचा जार यार
विटङ्क न० कबूतरोंका दरबा छतरी
विटप पु० शाखा टहनी वृक्ष
विटपिन् पु० वृक्ष पेड़ [ चन्दन
विटि स्त्री० पीतचन्दन, पीला
विड्वराह पु० शूकर सुअर
विट्पति पु० जामाता जमाई
विडम्बन न० तिरस्कार निरादर
विडाल पु० बिल्ला बिलौटा
विडीन पु० पक्षियों का उड़ना
वितण्डा स्त्री० न्यायमें अपना पक्ष स्थापन
करना दूसरे के पक्षका खण्डन
करना व्यर्थ बकना [ बाज़
[illegible]थ वि० [illegible]

विकल वि० व्याकुल घबड़ाया हुआ
विकल्प पु० सन्देह शक
विकसा स्त्री० मजीठ
विकसित वि० प्रकाशित खिला
विकार पु० बदलना तबदीली
विकाल पु० विरुद्ध समय उलटा काल
विकाश न० प्रकाश चमक [कीला
विकाशिन् वि० प्रकाशशील चम-
विकिर पु० गिद्ध पक्षी
विकिरणो न० छींटना फैलना
विकीर्ण वि० बिखरा फैला हुआ
विकृत वि० बीभत्स मलिनीकृत रोग युक्त
विकृति पु० रोग बीमारी
विक्रम पु० [illegible]
विक्रमादित्य पु० उज्जैनराजा जिनके नाम से संवत् चल रहा है
विक्रमिन् पु० सिंह शेर
विक्रय पु० बेचना व्यापार [ताना
विक्रयानुशय पु० बेचकर पछताना
विक्रेतृ पु० विक्रेता, बेचनेवाला
विक्रान्त वि० विजेता, बलवान् राजा
[illegible] पु० सिंह, घोड़ा, शूर
विक्रिया स्त्री० विकार बदलना
[illegible] वि० डरपोक व [illegible] वस्तु
विक्लव वि० व्याकुलीन घबराहट
विक्लिन्न वि० गीला, दुःखी
विक्षेप पु० त्याग फेंकना
विघ्न वि० नष्ट
विख्यात वि० प्रसिद्ध मशहूर
विगमन न० [illegible]
विगत वि० गुजरा हुआ, [illegible] गुजरा हुआ।
विगम पु० नाश, अन्त
विगर्हणा न० निन्दा
विगर्हित वि० निन्दित बदनाम
विगाढ वि० [illegible]
विगान न० निन्दा [illegible]
विगीति स्त्री० निन्दा [illegible]
विगुण वि० गुणरहित
विगूढ वि० गुप्त [illegible]
विगृहीत वि० पकड़ा हुआ
विघ्न वि० नष्ट
विग्रह पु० देह शरीर [illegible]
विघटिका स्त्री० [illegible]
विघटित वि० टूटा
विघर्षित वि० [illegible]
विघात पु० [illegible]

विघस पु० आहार,आहारशेषविघ्न
विघातिन् वि० विघातक हटानेवाला
विघ्न पु० व्याघात,अन्तराय, रोक
विघ्ननाशक वि० रुकावटों का दूर करने वाला
विचक्षण पु० पं०,तेजबुद्धि होशियार
विचयन न० अन्वेषण तलाश ढूंढा करना
विचर्चिका स्त्री० पामा खुजली
विचार पु० तत्वनिर्णय,गौर, सोच
विचारण न० मीमांसा,ध्यान,सोच
विचि-ची स्त्री० तरङ्ग लहर
विचिकित्सा स्त्री० सन्देह शक
विचित्र वि० बहुत रंगोंवाला बहुत सजीव
विचित्रवीर्य पु० शान्तनु राजा का पुत्र
विचित्राङ्ग वि० सजीव अङ्गवाला
विचेतस् वि० बुरे दिलवाला
विचेष्टित वि० चेष्टाशून्य बेहरकत
विच्छाय न० पक्षियों की छाया
विच्छित्ति स्त्री० छेदन [illegible] बनाना
विच्छिन्न वि० वि[illegible] हुआ
विच्छेद पु० वि[illegible]
विजन वि० निर्जन [illegible] एकान्त जगह

विजनन न० [illegible] प्रसव
विजय पु० [illegible] जीत
विजया स्त्री० भङ्ग भांग
[illegible]
[illegible] स्त्री० [illegible]
[illegible]
[illegible]
विज्ञ वि० [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] वि० [illegible] समझ
विट पु० लुच्चा जार यार
विटङ्क न० कबूतरों का दरबा उंचाई
विटप पु० शाखा टहनी वृक्ष
विटपिन् पु० वृक्ष पेड़ [illegible]
विट्-टी स्त्री० पीतचन्दन [illegible]
विड्वराह पु० शूकर सूअर
विट्पति पु० जामाता जमाई
विडम्बन न० तिरस्करण निरादर
विडाल पु० बिल्ला बिलोटा
विडीन पु० पक्षियों का उड़ना
वितण्डा स्त्री० अपने पक्ष को स्थापन करना दूसरे के पक्ष का खण्डन करना व्यर्थ [illegible] झगड़ा
वितथ वि० मि[illegible] झूठी

वितरण न० दान देना
वितर्क पु० सन्देह,शक ऊहा दलील
वितर्दि स्त्री० वेदिका,वेदी,[ चालिश्त
वितस्ति पु०स्त्री० १२ अंगुल नाप
वितान न० मण्डप विस्तार,यज्ञ,तम्बू
वित्त न० धन दौलत, ख्यात
वित्ति स्त्री० ज्ञान,लाभ,हासिल
विदग्ध वि० नागरिक,पण्डित,चतुर
विदर्भ पु० [illegible]
विदा स्त्री० ज्ञान जाना [ प्रयाण
विदार पु० विदारण, फाड़ना, जल
विदारक पु० फाड़ने वाला, पानी का गड्ढा
विदारण न० अलग फाड़ना
[illegible] न० [illegible] फाड़ने वाला [illegible]
विदित वि० ज्ञात, जाना हुआ, अभिज्ञ
विदिशा स्त्री० दिशाओं [illegible]
[illegible] [ का कोना
[illegible] वि० [illegible]
[illegible] न० [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

विद्या स्त्री० विज्ञान इल्म
विद्यावान् वि० विद्या में
इल्म में माहिर
विद्यारम्भ पु० विद्या में प्रवेश
विद्यालय न० [illegible]
विद्यापन न० [illegible]
विद्याधर पु० [illegible]
विद्युत् स्त्री० बिजली
विद्युन्माला स्त्री० ८ अक्षरी
पद छन्द
विद्रवण पु० पलायन,
भगना
विद्रुत वि० बहता भागा
विद्रुम पु० मूंगे का वृक्ष
विद्वत्कल्प वि० [illegible]
में कुछ कमी हो
विद्वत्तम पु० स्त्री० बहुत [illegible]
विद्वद्देशीय वि० जिसमें
थोड़ी कमी हो
विद्विष् वि० [illegible]
विद्वेष पु० [illegible]
विद्वान् पु० पंडित [illegible]
बुद्धिमान्
विधवा स्त्री० [illegible]
विधातृ वि० [illegible]

वितरण न० दान देना
वितर्क पु०सन्देह,शक,ऊहा दलील
वितर्दि स्त्री०वेदिका,वेदी [बालिश्त
वितस्ति पु०स्त्री०१२ अंगुल नाप
वितान न०अवसर विस्तार यज्ञतम्बू
वित्त न० धन दौलत, ख्यात
वित्ति स्त्री० ज्ञान लाभ हासिल
विदग्ध त्रि०नागरिक०पण्डित चतुर
विदथ पु० योगी कृती
विदा स्त्री० ज्ञान जानना [प्रवाह
विदार पु०विदारण, फाड़ना. जल
विदारक पु० फाड़ने वाला, पानी

विद्या स्त्री० विज्ञान
विद्याढ्य त्रि० विद्
इल्म में बहादुर
विद्याभ्यास पु० वि
विद्यादान न० विद्या
विद्यापन न० विद्
विद्याधर पु० वि
विद्युत् स्त्री० वि
विद्युन्माला स्त्री०
एक छन्द
विद्रवण पु०
बहना

सतानन्द् पु० गौतम का पुत्र एक मुनि [पास पढ़नेवाला
सतीर्थ्य पु० गुरु भाई एक गुरुके
सत्कर्तृ त्रि० अच्छेकामकरनेवाला
सत्कर्म न० वेद विहित कर्म
सत्कृत त्रि० पूजाहुआ आदरकिया
सत्क्रिया स्त्री० सत्कार आदर पूजन साधन [अच्छा
सत्तम त्रि० अतिशय धातु बहुत
सत्ता स्त्री० विद्यमानता वर्तमान होना
सत्र न० स्थान यज्ञ सदा दान जङ्गल
सत्रशाला स्त्री० धर्मशालाधर्मगृह
सत्राजित् पु० सत्यभामाकापिता एक राजा
सत्रिन् पु० गृहस्थ
सत्पथ पु० अच्छा मार्ग
सत्फल त्रि० दाडिम अनार अच्छे
सत्ययुग न० प्रथमयुग
सत्यवचस् त्रि० सच्चे वचनवाल सत्यवचन
सत्यवत् त्रि०सत्यवालासत्य यु
सत्यवतीसुत पु० व्यास ऋषि
सत्यवाच् त्रि० सच्ची वाणीवाल
सत्यवादिन् त्रि० यथार्थशब्दक वक्ता सच बोलने वाला
सत्यव्रत त्रि० नियम पूर्वक काय करने वाला सच्चा
सत्यसङ्गर त्रि० सच्ची प्रतिज्ञावा
सत्यसन्ध त्रि० सच्चा मेल करने वाला रामचन्द्र
सत्यानृत न० सत्य और झूठा बनियों का काम [देना
सत्यापन न० सत्याकृति बयाना
सत्योद्य त्रि० सत्यवादी सच्चा वचन [वाला
सत्वर त्रि०शीघ्र जल्द अवशीघ

सदागति पु॰ वायु हवा
सदाचार पु॰ अच्छा चाल चलन
सदातन अ॰ सदा रहनेवाला ईश्वर
सदाशय वि॰ अच्छे चित्तवाला
सदादान वि॰ सर्वदा दान देनेवाला
सदानन्द पु॰ सदा आनन्द में रहने वाला ईश्वर [भिजनपक्षी
सदामत्त वि॰ सदा मातनेवाला
सदानीरा स्त्री॰ जिस नदी में सदा पानी रहता हो
सदाशिव वि॰ जिसमें सदा कल्याण हो शुभकर्म [उत्तरवाला
सदुत्तर न॰ अच्छा जवाब अच्छे
सदृश वि॰ तुल्य सम बराबर
सदेश पु॰ पास देशवाला
सद्धेतु पु॰ अच्छा हेतु
सद्भाव पु॰ विद्यमानता होनापन
सद्भूत न॰ यथार्थ ठीक
सद्मन् न॰ गृह घर [धुआं
सद्यःकृत वि॰ तत्काल [illegible] किया
सद्यःपातकर वि॰ झट धन और प्राण को हरनेवाला अन्नादि
सद्यःप्रत्ययकर वि॰ शीघ्र ज्ञानको प्रकाश करने वाला अभिप्रायित ऐसा काम करना

सद्यःशौच न॰ शीघ्रपवित्र होना।
सद्योजात वि॰ शीघ्र उत्पन्न हुआ बछड़ा
सद्वृत्त वि॰ अच्छे चरित्र वाला
सद्वृत्ति स्त्री॰ पु॰ अच्छी जीविका अच्छी जीविकावाला [बराबर
सधर्म वि॰ एकसा धर्मवाला सदृश
सधर्मचारिणी स्त्री॰ साथ होकर धर्मका आचरण करने वाली स्त्री भार्या
सधर्मिन् वि॰ समान धर्म करनेवाला
सधवा स्त्री॰ पतिवाली स्त्री [वाला
सध्र्यञ्च् वि॰ सहचर साथ विचरने
सनत् अ॰ सदा
सनन्द वि॰ आनन्दवाला
सनत्कुमार पु॰ एक मुनि
सना अ॰ सदा हमेशा
सनातन वि॰ सदा होने वाला
सनाभि पु॰ ज्ञाति जाति भाई स्नेहयुक्त
सनीड वि॰ पास [illegible] वाला
सन्तत वि॰ विस्तीर्ण फैला हुआ विस्तार [illegible]
सन्तान स्त्री॰ वंश व औलाद विस्तार [illegible]

सब्रह्मचारिन् पु० गुरुभाई एकसाथ पढ़ने वाला [ सुहागन
सभर्तृका स्त्री० सौभाग्यवती
सभा स्त्री० परिषद् कमेटी
सभाजन न० गमनसमय में कुशल पूछना सत्कार
सभासद् पु० सभ्य मैम्बर[मैम्बर
सभास्तार त्रि० सभ्य, सामाजिक
सभिक पु० जुआरी
सभ्य पु० सामाजिक मैम्बर
सम् अ० भली भांति, बहुत, मिलना
सम त्रि० समान, तुल्य, बराबर
समक्ष त्रि० अ० चक्षु. सामने पास
समग्र त्रि० सकल सारा कुल
समङ्गा स्त्री० मञ्जिष्ठा मजीठ
समचित्त त्रि० समदेखने वाला तत्वज्ञानी
समज न० घन जंगल पशु समूह मूर्ख मण्डली
समज्ञा स्त्री० कीर्ति, यश बड़ाई
समज्या स्त्री० सभा कीर्ति
समञ्जस त्रि० औचित्य उचित
समदर्शिन् त्रि० सब जगह समान देखने वाला पण्डित तत्वज्ञानी
समदृश् त्रि० समदर्शीबराबरदेखना
समधिक त्रि० बहुतजियादह
समन्त पु० भव्छांअन्त सीमा
समन्ततस् अ० चारों ओर से
समन्तभुज् पु० अग्नि आग
समन्तात् अ० चारों ओर से
समन्वित त्रि० संगत मिलाहुआ
समभिहार पु०पौनःपुन्यबारबार
समम् अ०साहित्य साथ,एकहीबा
समय पु० काल, शपथ भद्दाचार
समया अ० नैकट्य समीपता
समयाध्युषित पु० सूर्य और तारा ओं के बिना समय
समर पु० न० पु.म लड़ाई जङ्ग
समर्चन न० अच्छे प्रकार आदर करना
समर्थ त्रि०शक्तयलवान्हितकारी
समर्थन न० साबित करनाफैसला
समर्यादा अ० नियमके साथ निकट पास
समल न० बहुतमला विष्ठा काला
समवतारपु०पानीमेंउतरनेकीसीढ़ी
समवाय पु० समूह मेल सम्बन्ध विशेष
समवेत त्रि० मिलाहुआसमूहयुक्त
समष्टि स्त्री०सम्बन्धव्याप्तिसबकुछी

समीक्ष्यकारिन् त्रि० अच्छे प्रकार विचार कर काम करने वाला
समीचीन त्रि० यथार्थ ठीक ठीक साधु सत्य हां [मिलता है
समीप त्रि० निकट पास जहांपानी
समीर पु० वायु वात हवा
समीरण पु० वायु हवा पथिक
समीरित त्रि० कथित उच्चारित कही हुई । भेजी
समीहित त्रि० अभीष्ट चाहा,गया अभिलषित
समुचित त्रि० योग्य बहुत ठीक
समुच्चय पु०एकीकरणइकट्ठाकरना
समुच्चित त्रि० कृतसमुच्चय इकट्ठा किया हुआ
समुच्च-च्चार पु० अच्छी तरह बोलना अच्छी तरह त्यागना
समुच्छेद पु० विनाश अच्छे प्रकार काटना
समुच्छ्र-च्छ्रा-य पु० अत्युन्नति बहुत ऊंचा विरोध दुश्मनी
समुच्छ्रित त्रि० अत्युन्नत बहुत ऊंचा
समुच्छ्-लित पु० चारों ओर से उछला हुआचारोंओरसेफैला हुआ [साँसवालाफिरओउठा
समुच्छ्वसित त्रि० भली भांति

समुज्झित त्रि० ...
समुत्क्रम पु० वृद्धि ऊपर आना
समुत्थ त्रि० अच्छी तरह उठा [उठाना
समुत्थान न० समुद्योग
समुत्पन्न त्रि० उपजा पैदा हुआ
समुत्पाट पु० जड़से उखाड़ लेना
समुत्पिञ्ज त्रि० व्याकुल बहुत घबड़ाया हुआ
समुत्सर्ग पु०अच्छे प्रकारत्यागदेना
समुत्सुक त्रि० चाहे हुये वस्तुको पानेके लिये जल्दीकरनेवाला
समुत्सृष्ट त्रि०भलीभांतिछोड़दिया
समुत्सेध पु० बहुत ऊंचाई बहुत बढ़ना
समुदय पु० समूह बढ़ती युद्ध...
समुदीरण न० अच्छेप्रकार कहना
समुद्गम पु० ऊपर जाना उत्पत्ति
समुद्गीत त्रि० ऊंचे स्वरसे गाया गया
समुद्गीर्ण त्रि०वांमित उगला हुआ
समुद्दिष्ट त्रि० अच्छे उद्देश वाला पदार्थभलीभांतिबतलायाहुआ
समुद्धत त्रि० अत्यन्त पागल अत्यन्त अविनीतबड़ागुस्ताख अभिमानी बहुत चतुर

सर्वकर्मीणत्रि॰सबकाम करनेवाला
सर्वक्षार पु॰ साराखारा साबुन
सर्वग त्रि॰ जलवायु ईश्वर
सर्वङ्कष त्रि॰ पापी खल सर्वको
दुख देनेवाला। [ काम
सर्वजनीनत्रि॰ सबजगह प्रसिद्ध
सर्वज्ञ पु॰ विधाता ईश्वर
सर्वतस् अ॰ चारों ओर से
सर्वतोभद्र त्रि॰चारों ओरसे सुख
देने वाला
सर्वतोमुख न॰ ब्रह्म ईश्वर
सर्वत्र अ॰ हरवक्त हरजगह
सर्वत्रगामिन् त्रि॰ सब जगह जाने
वाला। वायु। ईश
सर्वथा अ॰सबतरह हरएक तरहसे
सर्वदमन पु॰ भरतराजा सर्ववंशी
सर्वदर्शिन् पु॰ परमेश्वर
सर्वदा अ॰ सबकाल में सदा
सर्वधुरीण त्रि॰सारा बोझ उठाने
वाला।
सर्वनाम पु॰ एक संज्ञा प्रोनाउन
सर्वभक्ष त्रि॰ सबकुछ खाने वाला
सर्वमय त्रि॰ परमात्मा ईश
सर्वरसोत्तम पु॰ लवण रस
सर्वरात्र पु॰ सारीरात

सर्वरी स्त्री॰ रात्रि रात
सर्वविद् पु॰ परमेश्वर ईश
सर्ववेद पु॰ सर्व वेदोंको जा
वाला ईश्वर।
सर्ववेशिन् त्रि॰ बेरूपिया नट
सर्वसन्नहन न॰ युद्धके लि
सबको तयार करना।
सर्वसह त्रि॰ सबकुछ सहनेवा
सर्वस्व न॰ सबकुछ सारा ध
सर्वाह पु॰सब दिन सारादिन
सलिल न॰ जल पानी
सव पु॰ यज्ञ सन्तान
सवन न॰सोमका पानी यज्ञ प्रस
सवयस् त्रि॰ समान उम्रवाल
सखा मित्र
सवर्ण त्रि॰ एक जातिका बराब
रंगवाला
सविकाश त्रि॰ चमकता हु
खिला हुआ
सवितृ पु॰ जगत्स्रष्टा ईश्वर सू
सविध त्रि॰ निकट पास
सविस्मय त्रि॰ अचम्भे के साथ
सवेश त्रि॰ निकट पास वेश
सव्य त्रि॰ वाम दहिना
सव्येष्ठ पु॰ सारथि कोचवान

सर्वकर्मीणत्रि॰सबकाम करनेवाला
सर्वक्षार पु॰ सारा खारा साबुन
सर्वग त्रि॰ जल वायु ईश्वर
सर्वङ्कष त्रि॰ पापी खल सर्वको
दुख देनेवाला। [माम
सर्वजनीनत्रि॰ सबजगत प्रसिद्ध
सर्वज्ञ पु॰ विधाता ईश्वर
सर्वतस् अ॰ चारों ओर से
सर्वतोभद्र त्रि॰चारों ओरसे सुख
देने वाला
सर्वतोमुख न॰ ब्रह्म ईश्वर
सर्वत्र अ॰ हरयक हरजगह
सर्वत्रगामिन् त्रि॰ सब जगह जाने
वाला। वायु। ईश
सर्वथा अ॰सबतरह हरयक तरहमें
सर्वदमन पु॰ भरतराजा सर्ववंशी
सर्वदर्शिन् पु॰ परमेश्वर
सर्वदा अ॰ सबकाल में सदा
सर्वधुरीण त्रि॰भारा बोझ उठाने
वाला।
सर्वनाम पु॰ एक भाषा प्रनाउन
सर्वभक्ष त्रि॰ सबकुछ खाने वाला
सर्वमय त्रि॰ परमात्मा ईश
सर्वरमोचन पु॰ लक्ष्य रस
सर्वरात्र पु॰ सारीरात

सर्वरी स्त्री॰ रात्रि रात
सर्ववित् पु॰ परमेश्वर ईश
सर्ववेद पु॰ सर्व वेदोंको जा
वाला ईश्वर।
सर्ववेदिन् त्रि॰ वेदपिया नट
सर्वसन्नहन न॰ युद्धके लि
सबको तयार करना।
सर्वसह त्रि॰ सबकुछ सहनेवा
सर्वस्व न॰ सबकुछ सारा धन
सर्वाह पु॰ सब दिन सारादिन
सलिल न॰ जल पानी
सव पु॰ यज्ञ सन्तान
सवन न॰सोमका पानी यज्ञ प्रस
सवयस् त्रि॰ समान उमरवा
सखा मित्र
सवर्ण त्रि॰ एक जातिका बराब
रंगवाला
सविकाश त्रि॰ चमकता फुल
खिला हुआ
सवितृ पु॰ जगत्स्रष्टा ईश्वर सूर्य
सविध त्रि॰ निकट पास
सविस्मय त्रि॰ अचरज के साथ
सवेश त्रि॰ निकट पास वेश
सव्य त्रि॰ वाम दहिना
सव्येष्ठ पु॰ सारथि कोचवान

ससत्वा स्त्री० गर्भवती
सस्य न० खेती खेतकी उपज
सह अ० साथ सङ्ग बराबर एक बार
सहु वि० सहने वाला बलवान
सहकार पु० आम आम का पेड़
सहकारिन् वि० साथी सहायक
सहगमन न० साथ जाना साथ मरना
सहचर वि० मित्र दोस्त सहायक सेवक
सहज पु० सहोदर भाई, स्वभाव
सहजमित्र न० स्वाभाविक मित्र
सहजारि पु० स्वाभाविक शत्रु
सहदेव पु० माद्रीका छोटा पुत्र
सहधर्मिणी स्त्री० स्वपत्नी स्त्री
सहन वि० सहनेवाला क्षमाशील
सहना [ पीना
सहपान न० साथ बैठकर पीना
सहभोजन न० साथ भोजन, एक जगह भोजन
सहमरण न० साथ मरना
सहर्ष अ० बड़े आनन्द साथ
सहसा अ० अकस्मात् अचानक जानबूझकर बिना विचारे
सहस्रक पु० सौ का दस
सहस्र न० दस सौ की गिनती

सहस्रकर पु० सूर्य सूरज
सहस्रपाद् पु० परमात्मा
सहस्रांशु पु० सूर्य सूरज
सहस्राक्ष पु० ईश्वर विष्णु
सहाय पु० सहचर साथी अनुकूल
सहायता स्त्री० मदद सहारा
सहासन न० एक साथ बैठना
सहित वि० साथ युक्त, मिला हुआ
सहितृ वि० सहने वाला सोता
सहिष्णु वि० सहनशील सहनेवाला
सहिष्णुता स्त्री० सहनशीलता सहना
सहृदय वि० अच्छे मन वाला। बहुत चतुर
सहोक्ति स्त्री० साथ कहना
सहोटज पु० न० मुनियोंकी कुटी
सहोढ पु० स्त्रीमें विवाह होके जिसके
सहोदर पु० स्त्री० सगा सहोदर भाई
सह्य वि० सहनेके योग्य, सह्याद्रि
सा स्त्री० वह
सांख्य न० कपिलकृत दर्शनशास्त्र
सांघातिक वि० टुकड़ा करनेवाला
सांयात्रिक पु० जहाज व्यापारी
सांयुगीन वि० युद्ध में चतुर
सांवत्सर पु० वर्ष, ज्योतिषी
सांवत्सरिक पु० प्रतिवर्ष होनेवाला श्राद्ध
करने वाला ज्योतिषी